दैनिक हिन्दी अख़बार

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

सच बेधड़क

वर्ष: 3 | अंक: 55 | जयपुर, शनिवार, 03 फरवरी, 2024 | माघ, कृष्ण पक्ष- अष्टमी, विसं 2080 | पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

जरूरी खबर

राजस्थान हाईकोर्ट के नए सीजे बने जस्टिस श्रीवास्तव

जयपुर। केंद्र सरकार के विधि व न्याय विभाग ने शुक्रवार को एक आदेश जारी कर जस्टिस एमएम श्रीवास्तव को राजस्थान हाईकोर्ट के सीजे पद पर नियुक्त किया है। वहीं, राजस्थान हाईकोर्ट के वरिष्ठतम जस्टिस विजय विश्नोई को गोहाटी हाईकोर्ट व जस्टिस अरुण भंसाली को इलाहाबाद हाईकोर्ट का सीजे भी नियुक्त किया है। सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई डीवाई चन्द्रचूड़ की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम ने दिसंबर महीने में सीजे पद पर नियुक्ति के लिए जस्टिस श्रीवास्तव के नाम की अनुशंसा की थी।

शिखर अग्रवाल CM के अतिरिक्त मुख्य सचिव

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर शुक्रवार को भारतीय प्रशासनिक सेवा के दो अफसरों के तबादले किए गए हैं। कार्मिक विभाग के प्रमुख शासन सचिव हेमंत गेरा ने आदेश जारी कर आईएएस शिखर अग्रवाल को मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव पद पर लगाया गया है। इसके अलावा आईएएस अधिकारी नलीनी कठौतिया को अल्पसंख्यक मामलात विभाग में निदेशक पद पर लगाया गया है।

7 नए आईपीएस अफसरों को फील्ड पोस्टिंग

जयपुर। राजस्थान कार्मिक विभाग की ओर से शुक्रवार को एक आदेश जारी कर 7 नए आईपीएस अफसरों को फील्ड पोस्टिंग दी गई। राज्य सरकार ने आदेश जारी कर अमित जैन, सहायक पुलिस अधीक्षक, वृत्त जायल, जिला नागौर, शाहीन सी, सहायक पुलिस अधीक्षक, वृत्त सीकर, जिला सीकर, रमेश, सहायक पुलिस अधीक्षक, वृत्त सदर, जिला बीकानेर, प्रशांत किरण, सहायक पुलिस अधीक्षक, वृत्त राजगढ़, जिला चूरू, बी. आदित्य, सहायक पुलिस अधीक्षक, वृत्त श्रीगंगानगर, अभिषेक अंडासु, सहायक पुलिस आयुक्त, पूर्व जोधपुर, आयुक्तालय जोधपुर और मनीष को सहायक पुलिस अधीक्षक, वृत्त मावली, जिला उदयपुर पद पर लगाया गया है।

JLF में बोले मणिशंकर अय्यर: पाक के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक तो कर सकते हैं, लेकिन बात करने की हिम्मत नहीं

सोनिया गांधी नहीं चाहती थीं कि मैं अब राजनीति में रहूं

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा- आज की सियासत नापाक

बेधड़क | जयपुर

पूर्व केंद्रीय मंत्री और अपने विवादित बयानों के लिए कई मर्तबा चर्चा में रहे नेता मणिशंकर अय्यर ने कहा कि कुछ लोगों ने मुझे सुझाव दिया था कि मैं अपनी आत्मकथा लिखूं। मैंने सोचा, मेरी जिंदगी में ऐसी कौन-सी उपलब्धियां रही हैं, जो लोग मुझे पढ़ना चाहोगे। तब सोनिया गांधी ने मुझसे कहा था कि तुम लिखो। तब मुझे पता चला था कि वे नहीं चाहती थीं मैं राजनीतिक जीवन में लगा रहूं।

मणिशंकर अय्यर ने शुक्रवार को जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में अपनी किताब पर चर्चा करते हुए पॉलिटिक्स के साथ देश के अलग-अलग मुद्दों पर बात की, खासकर भारत-पाकिस्तान के संबंधों पर। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच कश्मीर मुद्दे को लेकर टेबल पर बातचीत होनी चाहिए थी। भारत के पास सर्जिकल स्ट्राइक करने का साहस है, लेकिन पाकिस्तान से टेबल पर बात करने की हिम्मत नहीं है।

अय्यर ने कहा, 'कश्मीर को लेकर पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ से मेरी बात हुई थी। कश्मीर मामले के समाधान को लेकर उनके पास चार अहम सुझाव थे। न जाने क्यों इस मुद्दे पर बैठकर बात नहीं हुई। मुझे भारत की पाकिस्तान को लेकर नीति समझ नहीं आ रही है। साल 2014 से 2024 तक भारत और पाकिस्तान के बीच किसी तरह की बातचीत नहीं हुई है।'

बात ही नहीं होगी तो हल कैसे निकलेगा!

अय्यर ने कहा कि शायद सिर्फ अजीत डोभाल और पाकिस्तान के कमर जावेद बाजवा के बीच कुछ बातचीत हुई थी। इसमें वो फैसले पर पहुंचे कि सीजफायर लाइन पर फायरिंग नहीं होनी चाहिए। यह अच्छी बात थी। जब भारत पाकिस्तान से बात करेगा] तभी तो कोई हल निकलेगा। जब हम बात ही नहीं करेंगे, कोई हल कैसे निकलेगा।

राजीव गांधी को गलत समझा गया

अय्यर ने कहा, राजीव गांधी को लेकर देश में काफी गलतफहमी पैदा की गई है। पहले शाहबानो के केस में, दूसरी बार बोफोर्स केस में उन्हें गलत बताया गया है। शाहबानो मामले में जो केस उनके खिलाफ फाइल किया गया था। उसमें सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें दोषी नहीं माना था।

बोफोर्स में भी एक टुकड़ा सबूत नहीं मिला

इसी तरह बोफोर्स मामले में भी साल 2004 में दिल्ली हाई कोर्ट के जज ने जजमेंट दिया था। इसमें उन्होंने कहा था कि 16 साल जांच करवाने के बाद भी राजीव गांधी के खिलाफ एक टुकड़े का सबूत भी नहीं मिला है। राजीव गांधी को भ्रष्टाचारी बताने को लेकर उस वक्त काफी माहौल खड़ा किया गया था। मेरे हिसाब से राजीव गांधी की हत्या देश के लिए सबसे बड़ी त्रासदी है। अगर आज वह जिंदा होते, चाहे विपक्ष या फिर सरकार में तो आज देश की यह हालत नहीं होती। तब की राजनीति नेक थी। आज की राजनीति नापाक है। ■ पेज 3 भी देखें

---

17 हजार केस पेंडिंग इनमें 8 हजार नाबालिगों से रेप के

DNA की जांच के लिए FSL में एक्सपर्ट ही नहीं

एक्सपर्ट नहीं होने से जांच हो रही प्रभावित, 120 विशेषज्ञों की जरूरत

चार हजार मामले पैतृकता और अन्य संगीन मामलों के चल रहे हैं पेंडिंग

ओमप्रकाश शर्मा | बेधड़क

जयपुर। नाबालिगों और बालिगों के साथ हुई दुष्कर्म की घटनाओं को अंजाम देने वाले दरिंदों की डीएनए जांच के लिए प्रदेश की फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) के पास एक्सपर्ट ही नहीं है। एफएसएल में डीएनए जांच के 17 हजार के करीब सैंपल पेंडिंग है। इनमें से 8 हजार के करीब प्रकरण नाबालिगों के साथ हुई दुष्कर्म की घटनाओं के है, जबकि बालिगों के साथ हुई घटनाओं के पांच हजार केस पेंडिंग है। चार हजार मामले पैतृकता और अन्य संगीन मामलों के पेंडिंग चल रहे हैं। इसकी वजह है डीएनए जांच के लिए एफएसएल में एक्सपर्ट नहीं है। इस संबंध में एफएसएल ने सरकार को एक्सपर्ट की भर्ती के लिए पत्र लिखा भी है, लेकिन अभी तक भर्ती नहीं होने से दुष्कर्म की घटनाओं को अंजाम देने वाले आरोपियों को फायदा मिल रहा है।

क्योंकि एफएसएल रिपोर्ट की आरोपियों को सजा दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। हाल ही में एक मामले में पीड़िता के दुष्कर्म की घटना के ट्रायल करने के दौरान इनकार करने के बाद भी कोर्ट ने एफएसएल रिपोर्ट के आधार पर आरोपी को सजा सुनाई थी।

रोजाना आ रहे हैं 20-25 केस

एफएसएल जयपुर यूनिट में 17 हजार जांचें पेंडिंग हैं। एफएसएल में रोजाना डीएनए जांच के करीब 20 से 25 प्रकरण केस आते हैं। औसतन हर माह करीब 600 केस अलग-अलग पुलिस थानों से डीएनए जांच के लिए एफएसएल आ रहे हैं। एक्सपर्ट नहीं होने से इनमें से एफएसएल के सीरोलॉजी व बायोलॉजी विभाग के वैज्ञानिक करीब 300 केसों का औसतन हर माह निस्तारण कर देते हैं, जबकि एफएसएल को 32 यूनिट प्रभारी की डीएनए जांच के लिए जरूरत है। एक यूनिट में प्रभारी और 4 एक्सपर्ट की जरूरत है।

वर्ष 2011 में शुरू हुई थी डीएनए जांच

प्रदेश में एफएसएल में वर्ष 2011 में डीएनए जांच शुरू की थी। तब से अब तक एक्सपर्ट की भर्ती नहीं हुई और जांचें दूसरे विभाग के एक्सपर्ट के भरोसे ही की जा रही है। डीएनए जांच के लिए पीड़िताओं के अंडरगार्मेंट्स व स्वाब के सैंपल आते हैं। इन सैंपलों के साथ में आरोपी के ब्लड से सैंपल भी आते हैं। ऐसे में डीएनए जांच से अंडरगार्मेंट्स पर लगे आरोपियों के सीमन होने का पता लगाया जाता है। इस रिपोर्ट को एफएसएल पुलिस को देती है और पुलिस फिर कोर्ट में पेश करती है।

भर्ती के लिए सरकार को लिखा

"डीएनए जांच के मामले पेंडिंग है। इस संबंध में सरकार को भर्ती के लिए लिख रखा है। भर्ती होने के बाद में पेंडेंसी कम हो जाएगी। फिर भी दूसरी यूनिटों के मुकाबले प्रकरणों की जांच ज्यादा संख्या में कर रहे हैं।

राजेश सिंह, डिप्टी डायरेक्टर, एफएसएल

रिपोर्ट में देरी, दोषियों को नहीं मिल पा रही सजा

जयपुर। फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी में जिस अनुपात में सैंपल पहुंच रहे हैं, उस अनुपात में जांच पूरी नहीं हो पा रही। इससे दोषियों को सजा दिलाने में भी लगातार देरी हो रही है। खास बात है कि डीएनए जांच मजबूरी में बायोलॉजी और सीरोलॉजी के वैज्ञानिकों को करनी पड़ रही है। इससे एफएसएल द्वारा की जाने वाली डीएनए जांच में सवालिया निशान लग गया है। आखिर दूसरे विभाग के वैज्ञानिक डीएनए जांच कैसे कर सकते हैं। हालांकि एफएसएल के अफसरों का कहना है कि डीएनए जांच के लिए जिन एक्सपर्ट की योग्यता होती है, वह योग्यता उनमें है। ऐसे में वह जांच कर लेते हैं। 2015 में होनी थी भर्ती सच बेधड़क की पड़ताल में सामने आया कि सरकार ने एफएसएल डीएनए विभाग में साल 2015 में वैज्ञानिकों की भर्ती करने की घोषणा की थी। योजना के तहत डीएनए विभाग में एक सहायक निदेशक और दो वरिष्ठ वैज्ञानिकों की भर्ती होनी थी। लेकिन यह भर्ती अटक गई और अभी भी पद खाली पड़े हैं।

---

5 फरवरी को बहुमत करेंगे साबित

सोरेन के शपथ लेने के बाद हैदराबाद पहुंचे 38 MLA

चंपई बने झारखंड के नए मुख्यमंत्री

बेधड़क | रांची

झारखंड के 'टाइगर' नाम से मशहूर चंपई सोरेन ने राज्य के सीएम पद की शपथ ले ली है। वह शिबू सोरेन से आशीर्वाद लेने के बाद राजभवन पहुंचे और राज्य के सीएम पद की शपथ ली। कांग्रेस कोटे से विधायक आलमगीर आलम, आरजेडी से सत्यानंद भोगता को कैबिनेट मंत्री पद की शपथ दिलाई गई।

झारखंड के सीएम चंपई सोरेन के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार पांच फरवरी को विश्वास मत हासिल करेगी। उधर, सोरेन के नेतृत्व में नई सरकार के गठन के बाद सत्तारूढ़ गठबंधन के 38 विधायक चार्टर्ड प्लेन से हैदराबाद के लिए रवाना हो गए।

हेमंत को 5 दिन की कस्टडी में भेजा

हेमंत सोरेन को अदालत ने 5 दिन की कस्टडी में भेज दिया है। ईडी ने 14 की रिमांड मांगी थी। गुरुवार को सुनवाई के बाद अदालत ने फैसला रिजर्व रख लिया था और उन्हें जेल भेज दिया था। इस बीच हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई, लेकिन कोई राहत देने से इंकार कर दिया।

चंपई को 41 विधायकों की जरूरत

झारखंड में 81 विधानसभा सीटें हैं और चंपई को सरकार बनाने के लिए 41 विधायकों की जरूरत है। वर्तामन में जेएमएम के पास कुल 29 विधायक हैं। वहीं, कांग्रेस के पास 17 और आरजेडी के पास एक विधायक है। कुल मिलाकर महागठबंधन सरकार के पास विधायकों की संख्या 47 है। वाम दल के विधायक विनोद सिंह का भी समर्थन भी महागठबंधन को प्राप्त है। बीजेपी के पास 26, एनसीपी के पास एक और आजसू के पास दो विधायक हैं। इन आंकड़ो को देखें तो स्पष्ट हो जाता है कि महागंठबधन आसानी से सरकार बना लेगी।

---

10 RAS अफसरों के देर रात तबादले

जयपुर। सरकार ने 10 आरएएस अफसरों के तबादले किए हैं। जसवंत सिंह व विवेक कुमार को मुख्यमंत्री के संयुक्त सचिव और मनोज कुमार को उपसचिव मुख्यमंत्री पद पर लगाया गया है। जगवीर सिंह डिप्टी सीएम दीया कुमारी के विशिष्ट सचिव होंगे। राजेंद्र सिंह राठौड़ को डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा के विशिष्ट सहायक के पद पर लगाया गया है। उम्मेद सिंह विशिष्ट सहायक उद्योग मंत्री, कालूराम को विशिष्ट सहायक ऊर्जा मंत्री, भगवत सिंह को विशिष्ट सहायक पीएचईडी मंत्री, संजय को विशिष्ट सहायक कृषि मंत्री व बलवंत सिंह को विशिष्ट सहायक चिकित्सा मंत्री लगाया गया है।

कंगना की याचिका बॉम्बे हाई कोर्ट ने की खारिज

बेधड़क | मुंबई

कंगना रनौत को बॉम्बे हाई कोर्ट से झटका मिला है। उनकी याचिका को खारिज कर दिया गया है। उन्होंने जावेद अख्तर द्वारा उनके खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि के केस पर रोक लगाने की मांग की थी।

कंगना ने इस मामले को क्रॉस-कम्प्लेंट के साथ जोड़ने की मांग भी की थी, जो उन्होंने बाद में उनके खिलाफ दायर किया। कोर्ट ने कहा कि कार्यवाही को रोका या क्लब नहीं किया जा सकता, क्योंकि कंगना ने पहले यह तर्क नहीं दिया कि यह क्रॉस-केस था। जावेद अख्तर की शिकायत पहले दर्ज की गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस प्रकाश नाइक ने आदेश में कहा, 'इस स्टेज पर याचिका में मांगी गई राहत नहीं दी जा सकती। इससे पहले याचिकाकर्ता (कंगना) की ओर से कभी यह तर्क नहीं दिया गया कि दोनों मामले क्रॉस केस हैं।'

क्या है पूरा मामला

2020 में जावेद अख्तर ने कंगना रनौत के खिलाफ शिकायह दर्ज कराई थी। एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में उन पर आरोप लगाया था कि ऋतिक से कथित अफेयर को लेकर झगड़े के बाद जावेद अख्तर ने उन्हें अपने घर बुलाकर धमकी दी थी। उसके बाद कंगना ने भी जावेद अख्तर पर 'जबरन वसूली और आपराधिक धमकी का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई।

PTI भर्ती में 'सच बेधड़क' के खुलासे के बाद बड़ा एक्शन

47 चयनित अभ्यर्थियों को किया डिबार... सीएम ऑफिस ने भेजा पत्र

कुणाल भटनागर | बेधड़क

जयपुर। कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित शारीरिक शिक्षा अध्यापक सीधी भर्ती में 47 अभ्यर्थियों का पूर्व में अंतिम चयन कर पदस्थापन की अनुशंसा की गई थी। माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा इन अभ्यर्थियों की शैक्षणिक योग्यता की जांच किए जाने पर इनके द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रमाण पत्र वैध नहीं पाए गए। अब इन अभ्यर्थियों का अंतिम चयन निरस्त कर दिया गया है। 'सच बेधड़क' ने पीटीआई भर्ती-2022 में डमी कैंडिडेट और संदिग्ध डिग्रियों के मामले को प्रमुखता से उठाया था।

'सच बेधड़क' की पड़ताल में बड़ा खुलासा
PTI भर्ती-2022 में दर्ज FIR की खोली परत-दर-परत
RSSB परीक्षा में डमी कैंडिडेट्स ने दी परीक्षा

पीटीआई भर्ती परीक्षा में धांधली
अब एसओजी करेगी मामले का खुलासा
सांगानेर थाने में कर्मचारी चयन बोर्ड ने दर्ज कराई थी एफआईआर

पीटीआई भर्ती 2022 फिर सवालों के घेरे में...
डिप्लोमा की डिग्री को एनसीटीई से मान्यता नहीं

'सच बेधड़क' ने किया था खुलासा

पीटीआई भर्ती-2022 के संबध में 'सच बेधड़क' ने संदिग्ध डिग्रियों के मामले में सवाल खड़े करते हुए अपात्र लोगों की लिस्ट जारी करने की मांग की थी। क्योंकि इस भर्ती में ऐसे अभ्यर्थियों के चयन होने की खबर थी जिनकी डिग्रियों को एनसीटीई से मान्यता नहीं है। बोर्ड द्वारा लंबा समय बीत जाने के बाद भी ऐसे अभ्यर्थियों को अपात्र घोषित नहीं किया जा रहा था। अब जाकर बोर्ड द्वारा 2 फरवरी को कार्रवाई करते हुए 47 अभ्यर्थियों को डिबार कर दिया है।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने मांगा जवाब

पीटीआई भर्ती 2022 में फर्जी अभ्यर्थियों को डिबार कर वंचित अभ्यर्थियों को लाभ देने के संबंध में मुख्यमंत्री के विशेषाधिकारी विकास राजपुरोहित ने शासन सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग को लेटर लिखा है। पीटीआई अभ्यर्थी रामचरण सिहाग द्वारा मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को इस संबध में शिकायत दी गई थी। अब तक इस मामले को नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही कर अवगत कराने के लिए कहा गया है।

और भी अभ्यर्थी हो सकते हैं अपात्र

"बोर्ड ने अभी केवल एक ही यूनिवर्सिटी के अभ्यर्थियों को अपात्र किया है। अभी कुछ और यूनिवर्सिटी की डिग्री को लेकर पत्र लिखा है। भविष्य में और भी अभ्यर्थी अपात्र घोषित किए जा सकते हैं। कई यूनिवर्सिटी की डीपीएड की डिग्री को मान्यता नहीं है।

आलोक राज, अध्यक्ष, कर्मचारी चयन बोर्ड

डिग्रियों की गहनता से होनी चाहिए जांच

"चयनित अभ्यर्थियों में राजस्थान सहित अन्य राज्यों की यूनिवर्सिटी द्वारा जारी शारीरिक शिक्षा डिग्रियों की गहनता से जांच होनी चाहिए। कई ऐसे संस्थान भी है जिनके पास एनसीटीई की मान्यता नहीं है। इसके साथ ही कई ऐसे संस्थान भी है जो एनसीटीई की मान्यता के बावजूद आवंटित सीटों से अधिकतम अभ्यर्थियों को शारीरिक शिक्षा डिग्रियां जारी करा चुके हैं। राज्य सरकार को लोकसभा चुनाव से पूर्व उच्च स्तरीय जांच कर उचित कार्रवाई करनी चाहिए।

बॉक्सर जुबेर खान, पूर्व सदस्य, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार

भर्ती में बड़े स्तर पर फर्जीवाड़े का आरोप

"पीटीआई भर्ती 2022 का अभ्यर्थी हूं। इस भर्ती में बड़े स्तर पर फर्जीवाड़ा हुआ था। फर्जी अभ्यर्थियों को जॉइनिंग दे दी गई। फर्जी अभ्यर्थियों को डिबार करने एवं पारदर्शिता एवं निष्पक्षता से जांच के लिए मुख्यमंत्री से मांग की थी। साथ ही इस भर्ती को 6-7 महीने बाद बाद भी बीकानेर शिक्षा निदेशालय ने न ही अपात्र लिस्ट जारी की ना ही वेटिंग लिस्ट। मुख्यमंत्री ने उच्चाधिकारियों से निदेशालय (बीकानेर) और राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड को जवाब तलब करने को आदेश दिया।

रामचरण सिहाग, अभ्यर्थी

जरूरी खबर

लोकसभा चुनावों को लेकर डॉ.जोशी पहुंचे भरतपुर

भरतपुर। कांग्रेस के जिला लोकसभा प्रभारी और नेता महेश जोशी शुक्रवार को भरतपुर पहुंचे। उन्होंने यहां अटलबंद स्थित गणेश मंदिर के पीछे जिला कांग्रेस कार्यालय में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की मीटिंग ली। लोकसभा टिकट की दावेदारी करने वाले लोगों ने महेश जोशी को अपने बायोडाटा भी दिए। इस दौरान कांग्रेस नेता महेश जोशी ने मीडिया से भी बात कि। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि भरतपुर लोकसभा सीट को कांग्रेस पार्टी मजबूत मान कर चल रही है। भरतपुर के लोगों का मन है कि, इस बार लोकसभा में कांग्रेस को जिता कर भेजा जाए। हमारा फोकस अपने संगठन को मजबूत बनाने पर है।

संस्कृत शिक्षा में 101 प्राध्यापकों को नियुक्ति के आदेश

बेधड़क. जयपुर। संस्कृत शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने संस्कृत शिक्षा विभाग के तहत पांच विषयों के 101 प्राध्यापकों को नई नियुक्ति के लिए मंजूरी प्रदान की है। संस्कृत शिक्षा विभाग के तहत नियुक्ति के लिए राजस्थान लोक सेवा आयोग के माध्यम से चयनित 101 अभ्यर्थियों को प्राध्यापक के पद पर नियुक्ति के लिए दस्तावेज सत्यापन के लिए बुलाया किया गया था। इनमें से 81 अभ्यर्थी दस्तावेज सत्यापन के लिए उपस्थित हुए, जिन्हें दस्तावेज सत्यापन के बाद नियुक्ति दी गई है। वहीं 101 में से शेष 20 अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन की शर्त के अध्याधीन नियुक्ति के आदेश आदेश जारी किए हैं।

'मेरी पॉलिसी मेरे हाथ' अभियान का किया शुभारंभ

बेधड़क. जयपुर। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने शुक्रवार को पंत कृषि भवन में किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की पॉलिसियों का वितरण कर रबी 2023-24 की 'मेरी पॉलिसी मेरे हाथ' अभियान का शुभारम्भ किया। कृषि मंत्री ने कहा कि किसानों को बीमा के प्रति जागरूक करने के लिए पूरे प्रदेश में ग्राम पंचायत मुख्यालय पर शिविर लगाकर पॉलिसियों का वितरण 2 फरवरी से 29 फरवरी तक किया जा रहा है। डॉ. मीणा ने कहा कि बीमा कंपनियां ग्राम पंचायत स्तर पर शिविरों का आयोजन कर लगभग 27.84 लाख कृषकों को लगभग 1.59 करोड़ पॉलिसियों का वितरण करेंगी।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अपने निवास पर की जनसुनवाई

लोगों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण करने के दिए निर्देश

बेधड़क | जयपुर

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को अजमेर में अपने निवास स्थान पर जनसुनवाई में आमजन की परिवेदनाओं को सुना। इस दौरान काफी संख्या में लोग उनसे मिलने के लिए पहुंचे। आमजन ने विभिन्न विभागों से संबंधित अपनी परिवेदनाएं उनके समक्ष रख कर निस्तारण कराने का अनुरोध किया।

उन्होंने अधिकारियों को आमजन की परिवेदनाओं का प्राथमिकता से निस्तारण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में शहर से जुड़ी सैकड़ों जन समस्याएं आमजन की ओर से बताई गई। जिन पर देवनानी ने इन संबंधित महकमों को इनके निराकरण के लिए निर्देशित किया। जनसुनवाई के दौरान आवास पर पेयजल, बिजली, सड़क आदि के संबंध में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत हुए। इसके लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों से चर्चा कर शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए।

कलेक्टर को कहा-चामुंडा माता मंदिर क्षेत्र में रोप वे का प्रस्ताव करें तैयार

देवनानी ने अजमेर जिला कलेक्टर को निर्देश दिए हैं चामुंडा माता मंदिर तक जाने के लिए रोप वे का प्रस्ताव तैयार करें। उन्होंने अजमेर के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर कामकाज में तेजी लाने को कहा। गर्मियों को देखते हुए पेयजल प्रबंधन को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखने के निर्देश दिए गए। विधानसभा अध्यक्ष ने शुक्रवार को अजमेर कलेक्टर से शहर के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

मरीज के परिजनों के लिए जे.एल.एन. में विश्राम गृह शीघ्र निर्धारित हो

वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को अजमेर जिले के सर्किट हाउस में जवाहर लाल नेहरू अस्पताल व चिकित्सा विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिए कि अस्पताल में मरीजों के परिजनों के लिए विश्राम गृह की व्यवस्था की जाए। अधिकारी अस्पताल में सुपर स्पेशलिटी की स्थापना के प्रस्ताव तैयार कर राज्य सरकार को भिजवाएं।

दूरभाष पर किया अधिकारियों से संपर्क

जनसुनवाई में आए प्रत्येक परिवादी की समस्याओं को धैर्य पूर्वक सुना। उनके निस्तारण के लिए मौके पर ही विभागीय अधिकारियों से दूरभाष पर वार्तालाप कर शीघ्र निस्तारण के लिए कहा गया। उन्होंने आमजन से परिवेदनाओं को सुनते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक व्यक्ति के साथ खड़ी है। इस अवसर पर आमजन ने विधानसभा अध्यक्ष का अभिनन्दन किया।

पर्यटन मंत्री दीया कुमारी से यूएन प्रतिनिधियों ने की मुलाकात

राजस्थान में पर्यटन के विकास की संभावनाओं पर की चर्चा

बेधड़क | जयपुर

उप मुख्यमंत्री और पर्यटन, महिला-बाल विकास मंत्री दीया कुमारी से यूएन प्रतिनिधियों ने शुक्रवार को सचिवालय स्थित उनके कक्ष में मुलाकात कर राजस्थान में पर्यटन के विकास की संभावनाओं, महिला सशक्तीकरण, एनीमिया की रोकथाम, लिंग भेद उन्मूलन और बालिका शिक्षा को बढ़ावा देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए जैसे बिन्दुओं पर चर्चा की।

उप मुख्यमंत्री ने यूएन रेजिडेंट कॉर्डिनेटर शोम्बी शार्प, यूनिसेफ राजस्थान की चीफ फिल्ड ऑफिसर इसाबेल बारडेम और यूएन रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर कार्यालय की चीफ ऑफ स्टाफ राधिका कॉल बत्रा के साथ बैठक की।

बैठक में यू एन और राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के साथ समन्वय करके महिला सशक्तिकरण, एनीमिया, कुपोषण, पेयजल, प्रदेश के पर्यटन, कला, संस्कृति, हेरिटेज को बढ़ावा देने की सम्भावनाओं पर चर्चा की गई।

आगामी दिनों में अगले स्तर की वार्ता कर कार्ययोजनाओं का निर्माण किया जाएगा। दीया कुमारी बताया कि केंद्र व राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप प्रदेश में आंगनबाड़ियों को सक्षम आंगनबाड़ी बनाने के लिए कार्य किया जाएगा। एनीमिया ग्रस्त और कुपोषण ग्रस्त पोकेट्स पर फोकस किया जाएगा। इसके साथ ही राजस्थान में पदस्थापित दस हजार साथिनों का क्षमतावर्धन किया जाएगा।

महिला सशक्तीकरण पर मिलकर काम करने पर दिया जोर

वर्ल्ड हेरिटेज साइट विकसित करने पर जोर

बैठक में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सस्टेनेबल गोल को लक्षित कर कार्य के लिए चर्चा की गई। राजस्थान की शानदार अमूर्त सांस्कृतिक विरासत कला, संस्कृति, हस्त कला आदि को आगे बढ़ाना ज़रुरी है। आधुनिकीकरण के कारण कला संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत की अनदेखी हो रही है। राजस्थान और जयपुर में भी शानदार ऐतिहासिक विरासत है। विरासत को संरक्षण कैसे प्रदान किया जाए और इनको पर्यटन की दृष्टि से किस तरह आगे बढ़ाया जाए इस पर चर्चा की गई। अमूर्त सांस्कृतिक विरासत कला संस्कृति, हस्त कला आदि को आगे बढ़ाया जाए। यू एन प्रतिनिधियों से जिओ हेरिटेज साइट विकसित करने, वर्ल्ड हेरिटेज साइट विकसित करने के लिए चर्चा की गई है।

भाजपा मंत्री का कांग्रेस पर निशाना

ग्रामीण-शहरी ओलंपिक में बजट का 4 गुना खर्च किया: राज्यवर्धन राठौड़

बेधड़क | जयपुर

ग्रामीण-शहरी ओलंपिक को लेकर भाजपा सरकार के मंत्री पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर लगातार आरोप लगा रहे हैं। शुक्रवार को जोधपुर पहुंचे सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार, युवा मामले और खेल कौशल नियोजन एवं उद्यमिता मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि ग्रामीण और शहरी ओलंपिक खेलों ने क्या दिया।

इस पर 200 करोड़ रुपए खर्च किए, जो कि खेल मंत्रालय के बजट का 4 गुना है। इस खर्च के बाद सिर्फ टी-शर्ट मिले। इस खेल आयोजन से न कोई सलेक्शन और न कोई टैंलेट सामने आया। न ही ऐसा सर्टिफिकेट मिला, जिससे जॉब मिले। ये बात उद्योग एवं वाणिज्य, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार, युवा मामले और खेल कौशल नियोजन एवं उद्यमिता, सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहीं। जोधपुर सर्किट हाऊस में उन्होंने मीडिया से बात करते हुए राठौड़ ने कहा-पिछले 5 साल में सरकार स्टेडियम नहीं बना सकी। उससे ज्यादा सांसद ने अपने क्षेत्र में बना दिए, वह भी 33 करोड़ में भी आधा ही सरकार का पैसा है और आधा सीएसआर का हैं। उन्होंने कहा कि खेल मेरी आत्मा से जुड़ा है। मैं वही से निकला हूं। इस क्षेत्र में कई काम करुंगा। सरकार, सीएसआर और अपना पैसा लगाऊंगा।

हस्तशिल्प उत्सव 2024 का किया उद्घाटन

मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने सर्किट हाउस के बाद रामलीला मैदान, रावण का चबूतरा पहुंचकर सहकार भारती एवं लघु उद्योग भारती द्वारा आयोजित पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव 2024 में सहभाग किया। साथ ही सहकार से समृद्धि एवं उद्योग से विकास संगोष्ठी में विचार साझा किए। राठौड़ ने इस दौरान मेले में लगाई गई स्टॉल्स का अवलोकन किया।

राजस्थान को बनाएंगे प्रदूषण मुक्त: शर्मा

बेधड़क | जयपुर

वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि राजस्थान को देश के सर्वोच्च शुद्ध वातावरण एवं प्रदूषण मुक्त राज्य के रूप में स्थापित करने के लिए हर संभव प्रयास किए जाने चाहिए। प्रदूषण नियंत्रण मंडल का राज्य में प्रदूषण नियंत्रण के साथ उद्योगों की सुलभ स्थापना एवं संचालन में महत्वपूर्ण योगदान है। इसीलिए मंडल अन्य विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य करे जिससे राज्य प्रगति पथ पर तेज गति से अग्रसर हो सके। संजय शर्मा शुक्रवार को राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण मंडल परिसर में मंडल की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि चिन्हित अत्यधिक प्रदूषित क्षेत्रों में मौका मुआयना कर प्रदूषण मुक्त करने की संभावनाओं पर काम करें एवं तदनुसार सुविधाओं को विकसित करें ताकि राज्य प्रदूषण मुक्त राज्यों की श्रेणी में प्राथमिकता से शामिल हो सकेगा। बैठक के दौरान मंडल अध्यक्ष शिखर अग्रवाल ने मंडल द्वारा किए गए कार्यों की प्रगति समीक्षा प्रस्तुत कर मंडल की कार्यप्रणाली से अवगत करवाया।

भूपेन्द्र सैनी के आवास पर कई गणमान्य लोगों से मिलीं दीया कुमारी

जयपुर। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी राजस्थान युवा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष भूपेन्द्र सैनी के निवास पर पहुंची। इस मौके पर दीया कुमारी का 101 किलो की माला, गुलदस्ता, आतिशबाजी, बैंड बाजे के साथ शानदार स्वागत किया गया। उपमुख्यमंत्री ने सैनी के परिजनों के साथ ही कई अन्य गणमान्य लोगों से मुलाकात की। इस दौरान पचपदरा विधायक अरुण चौधरी, माली समाज प्रदेश अध्यक्ष छुट्टन लाल सैनी, विशम्भर दयाल सैनी, वासु भाई, चेयरमैन रोशन सैनी, सीताराम सैनी, राजेंद्र करोड़िया आदि गणमान्य लोग मौजूद थे।

केंद्र सरकार की पहल पर ईआरसीपी का मार्ग हुआ प्रशस्त

एमओयू साइन होने के बाद ईआरसीपी पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई मुहर

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान के ईआरसीपी प्रोजेक्ट पर उच्चतम न्यायालय ने अपनी मुहर लगा दी है। इससे बहुप्रतीक्षित ईआरसीपी का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

गौरतलब है कि राजस्थान के ईआरसीपी प्रोजेक्ट में मध्यप्रदेश के पार्वती कालीसिंध चंबल प्रोजेक्ट को जोड़े जाने के बाद इस प्रोजेक्ट का नाम अब पार्वती-कालीसिंध-चम्बल पूर्वी राजस्थान नहर लिंक परियोजना यानी पीकेसी-ईआरसीपी हो गया है। इसी प्रोजेक्ट पर दोनों राज्यों के बीच एमओयू साइन हुआ है। करीब 45 करोड़ रुपए की लागत वाला यह प्रोजेक्ट करीब 5 से 6 साल में पूरा होगा। इस बीच उच्चतम न्यायालय ने मध्यप्रदेश द्वारा ईआरसीपी के सम्बन्ध में दायर याचिका इस आधार पर निस्तारित कर दी कि संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक परियोजना पर त्रिपक्षीय एमओयू पर हस्ताक्षर हो चुके हैं। उच्चतम न्यायालय में प्रकरण निस्तारण हो जाने के उपरांत अब संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक परियोजना के लिए हुए एमओयू को लागू किए जाने रास्ता अब साफ हो गया है।

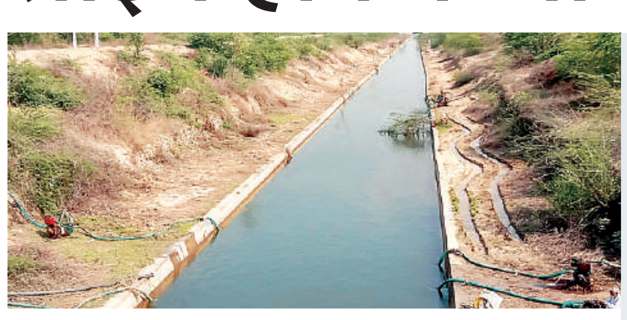

राज्यों के बीच में विवाद की स्थिति समाप्त

इस सम्बन्ध में पूर्व में राजस्थान सरकार के ईआरसीपी के प्रस्ताव को नकारते हुए मध्य प्रदेश सरकार द्वारा स्वयं के हितों के संरक्षण के लिए उच्चतम न्यायालय में याचिका दर्ज की गई थी, परन्तु केन्द्र, राजस्थान और मध्यप्रदेश सरकार के बीच परियोजना की संयुक्त डीपीआर बनाने के लिए नई दिल्ली में 28 जनवरी 2024 को त्रिपक्षीय एमओयू पर हस्ताक्षर हुए और दोनों राज्यों के बीच में विवाद की स्थिति समाप्त हो गई। यह एमओयू प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विशेष प्रयासों से ही संभव हो पाया। अब उच्चतम न्यायालय द्वारा मध्य प्रदेश सरकार द्वारा ईआरसीपी के सम्बन्ध में दायर याचिका निस्तारित कर दी गई है।

परियोजना में होगा काम

केन्द्र सरकार द्वारा 13 दिसम्बर 2022 को पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक परियोजना को ईआरसीपी के साथ एकीकृत करने के प्रस्ताव को प्राथमिकता वाली लिंक परियोजना के लिए अनुमोदन किया गया। एमओयू के अनुसार पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना में सम्मिलित रामगढ़ बैराज, महलपुर बैराज, नवनैरा बैराज, मेज बैराज, राठौड़ बैराज, डूंगरी बांध, रामगढ़ बैराज से डूंगरी बांध तक फीडर तंत्र, ईसरदा बांध का क्षमता वर्धन एवं पूर्वनिर्मित 26 बांधों का पुनरूद्धार किया जाएगा।

पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों में पेयजल की उपलब्धता

ईआरसीपी के तहत पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों झालावाड़, बारां, कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर, करौली, धौलपुर, भरतपुर, दौसा, अलवर, जयपुर, अजमेर एवं टोंक में पेयजल उपलब्ध होगा। इसके अतिरिक्त, राज्य के 2,80,000 हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। इस परियोजना से 13 जिलों के लगभग 25 लाख किसान परिवारों को सिंचाई जल एवं राज्य की लगभग 40 प्रतिशत आबादी को पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। साथ ही, भूजल के स्तर में भी वृद्धि होगी। इस परियोजना से कृषि उत्पादन में वृद्धि होने से किसानों की आय बढ़ेगी और रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। ईआरसीपी के तहत आने वाले क्षेत्रों में औद्योगिक आवश्यकताओं के लिए भी पानी उपलब्ध हो सकेगा।

झलकियां

ब्यूटी @ फेस्ट: लिट फेस्ट के दूसरे दिन ब्लैक एंड व्हाइट अंदाज में आए साहित्य प्रेमी।

माय पोज: लिट फेस्ट में यंग रीडर्स ने कुछ इस अंदाज में दिया पोज।

विदेशी पावणे: फेस्ट में विदेशी साहित्य प्रेमियों ने भी सेशन किया अटेंड।

जूनियर्स का अंदाज: उत्सव में दूसरे दिन जूनियर्स ने भी इस अंदाज में की शिरकत।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए खबर, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें।

जयपुर लिटरेचर महोत्सव में साहित्यकार विभिन्न मुद्दों पर कर रहे बेबाक बात

'गुलजार ने बयां किया विभाजन का दर्द' 'राजीव भार्गव बोले- धर्मांधता खतरनाक'

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में साहित्य की बातें हो रही हैं। नई किताबें पहली बार लोगों के हाथों में जाने को मचल रही हैं, वहीं साहित्यकार विभिन्न मुद्दों पर बेबाक बात कर रहे हैं। शुक्रवार को गीतकार गुलजार ने जहां विभाजन की त्रासदी का दर्द बयां किया, वहीं राइटर राजीव भार्गव ने वर्तमान समय में बढ़ रही धर्मांधता पर गुस्सा जाहिर किया। साथ ही उन्होंने उम्मीद भी जताई कि एक दिन सब सही हो जाएगा और सब एक दूसरे के साथ मिलकर रहेंगे।

मुझे मेरे कमरे की दूसरी खिड़की की तरह लगता है पाकिस्तान

बेधड़क । जयपुर

जेएलएफ में शुक्रवार को दोपहर 01 से 1:50 तक फ्रंटलॉन में बॉलीवुड गीतकार गुलजार का सेशन हुआ। इसमें यतींद्र मिश्रा से बातचीत के दौरान गुलजार ने पार्टिशियन के दिनों को याद किया। उन्होंने कहा कि मैं उस दिन को नहीं भूल सकता जब मेरे दोस्त को मारा गया, दुकानें जला दी गईं। वहीं, 'गुलजार साहब' बुक के राइटर यतींद्र मिश्र ने भी कुछ किस्से शेयर किए। उन्होंने बताया कि गुलजार साहब अपने दोस्तों के लिए उनकी गर्लफ्रेंड को लेटर लिखते थे।

गुलजार ने कहा कि आपकी जिंदगी का असर राइटिंग में रहता ही है। हर फनकार अपनी जिंदगी को अपने क्रिएशन में लगाता है। करीब 9-10 साल की उम्र में वो विभाजन की ट्रेजडी देखी है। नौ साल की उम्र में देश को नहीं समझ सकता था। बुजुर्गों से सुनता था, उससे लगता था कि यह गलत हो रहा था है। उन्होंने कि कि मैं उस दिन को नहीं भूल सकता जब दोस्त को मारा गया, दुकानें जला दी गईं। यह मेरे जेहन से नहीं निकल सकती है। पाकिस्तान मेरा पड़ोसी लगता है, मेरे कमरे की दूसरी खिड़की की तरह लगता है। मैं अपनी नज्मों को देखता हूं तो लगता है इनमें उदासी सी लगती है, उसमें मेरे बचपन का असर भी लगता है।

सभी फोटो पंकज शर्मा

टैगोर की बुक ने बदल दिया मेरा नजरिया

गुलजार ने कहा-जितने भी रिफ्यूजी दिल्ली में आए उन्होंने यहां पर कुछ न कुछ काम शुरू किया। कोई किताब किराए पर देने का काम करने लगा तो कोई कुछ और। मैंने जासूसी नॉवेल लाने का काम शुरू किया। उनमें ऐसा सस्पेंस होता कि राज को जानने के लिए रातोंरात किताब खत्म हो जाती थी। दुकानदार भी परेशान हो गया। उसने मुझे रविंद्रनाथ टैगोर की बुक दी, यहां से मेरी जिंदगी बदल गई। नजरिया बदल गया।

अपने धर्म को बढ़ाने के लिए दूसरों पर अत्याचार सही नहीं

बेधड़क । जयपुर

लेखक राजीव ने कहा कि हम लोग सही-गलत, अच्छे, बुरे का अंतर भूल गए हैं। इस तरह की चीजें धीरे-धीरे हमारे दिमाग से निकल गई हैं। अगर हमें पता भी है कि अच्छा-बुरा क्या है, तो उसे बोल भी नहीं पाते। यह चीज हमारे देश के लिए खतरनाक है।

राइटर राजीव भार्गव जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में शुक्रवार को न्यू इंडिया को लेकर हुए सेशन 'द न्यू इंडियाः बिटविन होप एंड डिस्पेर' में अपनी किताब और देश में वर्तमान समय में बदलते रहे माहौल पर चर्चा कर रहे थे। भार्गव के साथ सत्र में मोहित सत्यानंद बातचीत कर रहे थे। इस दौरान भार्गव ने कहा कि हम नहीं बोलेंगे तो जो गलतियां कर रहे हैं, तो उसे कैसे सुधारेंगे। सुधारे बिना देश आगे नहीं बढ़ सकता है। हिन्दू राष्ट्र बनाने की विचारधारा पर उन्होंने कहा कि हिन्दू धर्म को संभालना और उसको आगे बढ़ाना एक बात है, लेकिन उसे बढ़ाने के लिए दूसरों पर अत्याचार करना या देश से उन्हें अलग कर देना सही नहीं है। मुझे हिंदू होने पर गर्व है। हिन्दू धर्म के कल्चर व हिन्दू धर्म की अच्छी बातों को आगे बढ़ाने के लिए मैं खुद काम करता हूं, लेकिन मैं नहीं चाहता हूं कि इसको आगे बढ़ाने के लिए दूसरों का शोषण करें। हमारे पास सभी के लिए जगह है।

यूरोप की बुराइयों को क्यों अपना रहे हैं?

यूरोप में बहुत अच्छाईयां है, हम यूरोप की बुराईयों को क्यों अपना रहे हैं? ये यूरोपियन आइडिया है और इन सभी चीजों के कारण यूरोप बर्बाद हुआ है। उन्होंने यहूदियों के साथ कितना बुरा किया। अब उन्हें अपने साथ रखते हैं। एक दिन ऐसा भी आएगा, जब वे मुस्लिम्स को भी अपनाएंगे। हम लोगों ने उन्हें पहले ही अपनाया हुआ था, उसे हम छोड़ रहे हैं। ये लोग हमारे ही हिन्दुस्तान में जन्मे हैं।

सुबह से कई रोमांचक सत्र, शानदार वक्ताओं के नाम रहा दिन

जयपुर। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2024 के दूसरे दिन की शुरुआत होटल क्लार्क्स आमेर में 2 फरवरी की सर्द सुबह में कई रोचक और उत्तेजक सत्रों के साथ हुई। फेस्टिवल का दूसरा दिन राजनीति, जीवनीकार, संगीत, स्टाइल, अध्यात्म और रचनात्मकता के नाम रहा। दिन की शुरुआत फिल स्कार्फ के दिल छू लेने संगीत के साथ हुई। सेक्सोफोन पर जैज और पारंपरिक राग की जुगलबंदी प्रस्तुत की। उनका साथ दिया प्रियांक कृष्णा और अनूप बनर्जी ने।

लेखन से ज्यादा जरूरी होता है उस पर टिके रहना

सुबह के एक सत्र 'यशोधरा एंड वीमेन ऑफ द संघ' में श्याम सेल्वादुरै और वेनेसा आर सेसों ने अपनी किताबों के माध्यम से इतिहास के सबसे अदृश्य व्यक्तित्व यशोधरा पर चर्चा की। बुद्ध की ख्याति अंधेरे में खड़ी यशोधरा की नींव पर बनती है, वो युवा पत्नी जिसे महल में तन्हा छोड़ दिया गया था। यशोधरा पर बात करते हुए अकादमिक वेनेसा ने साझा किया कि उन्होंने काफी बौद्ध साहित्य पढ़ा है और लगभग किसी में भी यशोधरा पर कुछ नहीं मिलता, जबकि यह एक ऐसा किरदार है, जिस पर बार-बार लिखा जाना चाहिए। ये कहानी एक जीवित कहानी है, जो 2000 साल के इतिहास में लगातार बदलती रही है। श्याम सेल्वादुरै ने लेखन पर बात करते हुए कहा कि लेखन शुरू करने से ज्यादा जरूरी होता है, उस पर टिके रहना। इसके लिए आपके कथ्य में रोचकता और जिज्ञासा होनी चाहिए। यशोधरा अपने आपमें सब कुछ हैं। इस सत्र का संचालन लेखिका और कवयित्री अरुंधति सुब्रमण्यम ने किया।

'ट्वेल्व सीजर्स' पुस्तक पर भी हुई चर्चा

'ट्वेल्व सीजर' सत्र में लोकप्रिय क्लासिकवादी मैरी बियर्ड ने रोमन साम्राज्य के बारे में बात की और कहा कि हाल के दिनों में 'व्हाट्स योर रोमन एम्पायर?' जैसे टिकटॉक ट्रेंड्स के साथ ये फिर से चर्चा में कैसे आ गया है। बियर्ड ने अपनी किताब 'ट्वेल्व सीजर्स' के बारे में बात की। ऐतिहासिक किरदारों को चित्रित करने की प्रक्रिया पर उन्होंने कहा कि यह चित्रण का मुद्दा है। यह शासक को देखने का एक तरीका है। यह पूरी तरह से इस पर निर्भर नहीं है कि शासक दिखने में कैसा है। उनके साथ सत्र में थे इतिहासकार पीटर फ्रैंकोपैन।

पन्नों पर मुझे ढूंढना बेमानी

सत्र 'ट्रस्ट' में पुलित्जर पुरस्कार विजेता लेखक हर्नान डियाज ने अपने उपन्यास और लेखकीय सफर पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि मैं एक टेस्टीमोनियल लेखक नहीं हूं... मेरा लेखन मेरे निजी अनुभवों पर आधारित नहीं है। इसलिए पन्नों पर मुझे ढूंढना बेमानी है, लेकिन... मैं उस तरह का लेखक हूं जो सोचता है कि साहित्य अधिक साहित्य से बनता है, और मैं परंपरा का सामना करके लिखता हूं। उससे पीछे नहीं...। मेरा ज्यादातर काम इन कठोर बातों से जुड़ा है और फिर उनमें किसी प्रकार का पुरातात्विक हस्तक्षेप उसे और प्रेरित करता है...।

लोकतंत्र तभी फलता है, जब उसका आधार साझा तथ्यों पर टिका होता है

'आइडेंटिटी ट्रैप' सत्र में लेखक यस्चा मोंक, बद्री नारायण और पत्रकार श्रीनिवासन जैन ने पत्रकार प्रज्ञा तिवारी के साथ संवाद में आज के राजनीतिक क्षेत्र में पहचान, विचारों और व्यक्तिवाद की अंतर्निहित प्रकृति पर चर्चा की। यस्चा मोंक ने जर्मनी में बिताए बचपन, श्वेत विशेषाधिकार, नस्ल अंतर और पश्चिम में नस्ल प्रोत्साहन पर अपना अनुभव साझा किया। पत्रकार श्रीनिवासन जैन ने एक लेखक के रूप में अपने अनुभव और अपनी नई किताब, 'लव जिहाद एंड अदर फिक्शन्स' पर बात की। यह किताब गलत सूचना और अल्पसंख्यकों के खिलाफ साजिश के सिद्धांतों से उत्पन्न भारत की उभरती दरारों का एक विस्तृत विवरण है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र तभी फलता-फूलता है जब उसका आधार साझा तथ्यों और साझा सच्चाइयों पर टिका होता है। कवि और शिक्षाविद बद्री नारायण ने कहा कि दलितों की क्षमता को सही तरह से काम में लाया जाना चाहिए। उन्होंने भारत में सामाजिक द्वंद्वों पर काम करने वाले उच्च जाति के लेखक के रूप में आने वाली चुनौतियों पर भी बात की।

सबसे कुख्यात जेल की सच्ची कहानी

बेस्टसेलिंग इतिहासकार बेन मैकिनटायर की नई नॉनफिक्शन किताब, 'कोल्डिट्जः प्रिजनर्स ऑफ द कैसल' इतिहास की सबसे कुख्यात जेल की सच्ची कहानी है। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान मित्र देशों के अधिकारियों के लिए युद्ध शिविर की जेल के रूप में कोल्डिट्ज को इस्तेमाल किया गया, जहां से उन्होंने बार-बार भागने का प्रयास किया था। बेन मैकिनटायर ने सत्र की शुरुआत यह कहकर की कि कोल्डित्ज की वास्तविक कहानी वर्ग, नस्ल, कामुकता, मानसिक स्वास्थ्य और कई अन्य चीजों की कहानी है। सत्र में, मैकिनटायर ने सम्मान के विषय पर प्रकाश डाला जो कहानी में प्रदर्शित किया गया था, क्योंकि कोल्डिट्ज के जर्मन अधिकारियों ने भी जिनेवा कन्वेंशन के नियमों का सम्मान किया था। यह स्वीकार करते हुए कि कैदियों के पास कुछ अधिकार थे। मैकिनटायर, जो ज्यादातर युद्ध में जासूसी की भूमिका के बारे में लिखते हैं ने यह कहकर सत्र समाप्त किया कि मुझे लगता है कि मैं महान लोगों के बजाय दुष्टों को पसंद करता हूं।

तरुण तहिलियानी ने शेयर की जर्नी

...तो पेरेंट्स बोलते थे- टेलर बनोगे क्या?

बेधड़क । जयपुर

पेरेंट्स बोलते थे टेलर बनोगे क्या? ये ही कारण था, कि पहले बिजनेस-जॉब किया और फिर धीरे से इस लाइन में आ गया। मजाकिया अंदाज में ये जर्नी फैशन डिजाइनर तरुन तहिलियानी ने शेयर की। वे अपने सत्र के बाद मीडिया से बात कर रहे थे। इससे पहले उनके सत्र स्टाइल एंड सब्सटेंस में पत्रकार आलिया अल्लाना के साथ सह-लेखन में लिखी तहिलियानी की किताब 'जर्नी टू इंडिया मॉडर्न' पर बात हुई। भारतीय फैशन की विरासत को एक जीवंत टेपेस्ट्री के रूप में पेश करती किताब अतीत और वर्तमान, परंपरा और आधुनिकता के तत्वों को एक साथ जोड़ती दिखी।

एक ही साड़ी तीन महिलाओं पर अलग लगेगी

डिजाइनर ने अपने अंदाज में कला के लिए अपनाए गए रास्तों और वर्तमान दुनिया में अपने लग्जरी डिजाइन स्टूडियो के बारे में भी बात करते हुए कई उदाहरण दिए। उन्होंने साड़ी पर भी बात की तो एक ही ड्रेस को कई तरह से कई लोगों के पहनने के नजरिए को बताया। उन्होंने कहा कि यदि एक कमरे में 3 महिलाएं एक जैसी पश्चिमी पोशाक पहनती हैं तो इससे 'क्राइसिस' हो सकता है। वहीं तीन महिलाएं एक ही साड़ी पहनती हैं तो अलग-अलग शारीरिक आकृतियों पर साड़ी पहनने के कारण यह पूरी तरह से अलग दिख सकती है।

भारतीय महिलाओं ने पश्चिमी दृष्टिकोण नहीं अपनाया

लेखिका शिवानी सिब्बल के साथ संवाद मेंताहिलियानी ने दुनिया भर में फैशन में अपने अन्वेषणों, समय और स्थान में कहानियों को मिलाने के अपने प्रयासों और उन सवालों के बारे में जानकारी साझा की जो वह अपने डिजाइनों से उठाना चाहते हैं। शिवानी ने कहा, कि मुझे लगता है भारतीय महिलाओं ने भारतीय फैशन उद्योग के विकास का समर्थन किया है। क्योंकि उन्होंने कभी-भी पूरी तरह से पश्चिमी दृष्टिकोण नहीं अपनाया।

मनमोहन वैद्य@JLF

जयपुर। लिटरेचर फेस्टिवल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह मनमोहन वैद्य भी पहुंचे। उन्होंने फ्रंट लॉन में आयोजित एट होम एंड द वर्ल्ड में पवन के वर्मा और बद्री नारायण के साथ मंच साझा किया। मंदिरा नायर ने उनसे देश से जुड़े विभिन्न विषयों पर बातचीत की। -फोटोः राजेश कुमावत

जरूरी खबर

जमीन पर कब्जा करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

अजमेर। विवादित जमीन पर कब्जा करने वाली गैंग के 2 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी मादक पदार्थ तस्करी में भी लिप्त है। एक आरोपी कोटा ग्रामीण और महाराष्ट्र नागपुर में दर्ज मामलों में फरार चल रहा था। दरगाह थाना प्रभारी जगदीश प्रसाद मीणा ने बताया कि मामले में शुक्रवार को नागौर निवासी शिवराज महावर (31) पुत्र बुद्धाराम महावर और उसके साथी सुगनाराम (24) पुत्र गणपत लाल को गिरफ्तार किया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित मुकेश अग्रवाल ने फायसागर रोड स्थित मकान और प्लॉट पर अवैध रूप से कब्जा करने का मामला दर्ज करवाया था।

माली समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन 14 को

मेड़ता। मेड़ता शहर में 14 फरवरी को होने वाले माली समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर शुक्रवार से मांगलिक कार्यक्रम शुरू हो गए। मंगल गीत और मंत्रोच्चारण के साथ लग्न की तैयारी का शुभारंभ हुआ। बता दें कि मीरा नगरी में बसंत पंचमी को समाज का छठा सामूहिक विवाह सम्मेलन होने जा रहा है। महात्मा ज्योतिबा फुले भवन परिसर में मंगल मन्त्रोच्चार के साथ ही तुलसी सहित 35 कन्याओं का लग्न सामूहिक रूप से लिखा गया। इस दौरान बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

बीकानेर में 57 हार्डकोर अपराधियों को पकड़ा

बीकानेर। बीकानेर पुलिस ने एक बार फिर एरिया डोमिनेशन कार्रवाई के तहत बदमाशों पर शिकंजा कसने की कोशिश की है। शुक्रवार को सुबह सवेरे ही करीब डेढ़ सौ पुलिस टीमों ने 290 जगह छापे मारकर 57 हार्डकोर बदमाशों को दबोच लिया। इस दौरान किसी से हथियार मिले तो किसी से अवैध पिस्तौल। बदमाशों को गिरफ्तार करके अब अदालत में पेश करने की तैयारी की जा रही है। पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 150 टीम का पहले ही गठन कर लिया गया। साढ़े चार सौ पुलिस कांस्टेबल व इंस्पेक्टर्स की टीम सुबह कलेक्ट्री पहुंची। जहां पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम के नेतृत्व में कार्रवाई शुरू की गई।

जोधपुर रेलवे का कारनामा: कोच नहीं मिलने से यात्री हुए परेशान, खड़े रहकर करना पड़ा सफर

अतिरिक्त कोच लगाना भूला रेलवे, टिकट लेकर दौड़ते रहे यात्री

बेधड़क | जोधपुर

रेलवे ने 4 दिन पहले ट्रेन में अतिरिक्त कोच लगाने की घोषणा की थी। इस घोषणा के बाद कई यात्रियों ने अतिरिक्त कोच के लिए टिकट भी कटवा लिया। लेकिन यात्रा के लिए जब लोग स्टेशन पर पहुंचे तो पता चला कि जिस कोच का उन्होंने टिकट ले रखा है वह ट्रेन में है ही नहीं।

काफी भागदौड़ करने के बाद भी जब यात्रियों को वह कोच नहीं मिला तो फिर भारी हंगामा हो गया। यात्रियों के हंगामे पर रेल अधिकारियों की नींद खुली तो फिर मामले में लीपापोती करते हुए अधिकारियों ने कहा कि तकनीकी कारणों से अतिरिक्त कोच नहीं लगाई गई। अहमदाबाद में अतिरिक्त कोच लगाई जाएगी। इस बीच पूरे सफर यात्री परेशान होते रहे। रेलवे की भारी लापरवाही का यह मामला जोधपुर से सामने आया है। जहां जोधपुर से दादर जाने वाली ट्रेन संख्या 14807 जोधपुर-दादर में रेलवे स्लीपर क्लास का अतिरिक्त कोच लगाना ही भूल गया।

एक यात्री पवन ने बताया कि रिजर्वेशन करवाने पर उसे एसई-1 में 46 नंबर सीट आवंटित की गई थी। वे पूरी ट्रेन का चक्कर लगा कर आ गए लेकिन कोच नहीं मिला। उन्हें जोधपुर से अहमदाबाद तक इधर-उधर खड़े रहकर अपनी यात्रा करनी पड़ी।

दूसरी बोगियों में खड़े होकर की यात्रा

ट्रेन शुक्रवार सुबह 5:05 बजे रवाना होनी थी। यात्री इससे पहले प्लेटफार्म पर पंहुचे तो उन्हें ट्रेन में अपना कोच एसई-1 नजर ही नहीं आया। इधर ट्रेन चलने का टाइम हो रहा था तो उधर यात्री इंजन से लेकर गार्ड की बोगी तक अपने कोच को ढूंढने के लिए भाग रहे थे। प्लेटफार्म पर टीटीई से पूछताछ करने पर पता चला कि कोच तो लगा ही नहीं है। यात्री रेलवे से शिकायत करते रहे, ट्रेन चल पड़ी। दूसरी बोगियों में खड़े रहकर सफर करना पड़ा।

तकनीकी खराबी के कारण नहीं लगी बोगी

एक यात्री की शिकायत पर रेलवे की ओर से जवाब दिया गया कि इस कोच में तकनीकी खराबी होने के कारण इसे हटाया गया। हकीकत यह है कि रेलवे ने 30 जनवरी को नोटिफिकेशन जारी कर रिजर्वेशन सिस्टम में फीड कर दिया और यात्रियों को टिकट भी बांट दिए, लेकिन कैरेज एंड वैगन विभाग ने ट्रेन में यह कोच जोड़ा ही नहीं।

यह है मामला

दरअसल, हुआ यूं कि ट्रेन संख्या 14807 जोधपुर-दादर में यात्रियों की भीड़ को देखते हुए उत्तर-पश्चिम मुख्यालय से नॉटिफिकेशन जारी हुआ कि गाड़ी संख्या 14807/14808, जोधपुर-दादर रेलसेवा में जोधपुर से 2 से 27 फरवरी तक एवं दादर से दिनांक 03 से 28 फरवरी तक 01 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढ़ोतरी की जाएगी। यह कोच एसई-1 के नाम से रेलवे के सिस्टम में चढ़ गया। इसी कोच में कंफर्म टिकट लेकर यात्री शुक्रवार तड़के टिकट हाथ में लेकर प्लेटफार्म पर पहुंचे थे।

सीमा पर तैनात सेना के जवानों को भी मिलेगा फायदा

DRDO ने अंतरिक्ष यात्रियों के लिए बनाया वाटर प्यूरीफायर

बेधड़क | जोधपुर

जोधपुर में डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) ने गगनयान में जाने वाले भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों के लिए एक ऐसा वाटर प्यूरीफायर बनाया है, जिसे वे जेब में रख सकेंगे। इसके साथ ही यह प्यूरीफायर समुद्र के पानी को भी पानी लायक बना देगा। गौरतलब है कि गगनयान भारत का पहला मानव युक्त अंतरिक्ष मिशन है। गगनयान 2025 में लॉन्च किया जाना है।

गगनयान में जाने वाले अंतरिक्ष यात्रियों को पीने के पानी के लिए वाटर प्यूरीफायर की जरूरत होगी। इसी जरूरत को पूरा करने के लिए जोधपुर डीआरडीओ ने यह प्यूरीफायर किट बनाया है। इस किट का ट्रायल बॉम्बे में नेवल डॉकयार्ड में हो चुका है। गगनयान के अंतरिक्ष यात्रियों के साथ ही सीमा पर तैनात जवानों को भी ड्यूटी के दौरान शुद्ध पानी मिलेगा। किट इतना छोटा और हल्का है कि जेब में आ जाता है। इस प्यूरिफायर से समुद्री या कोई भी गंदा पानी पीने योग्य बनाया जा सकता है। साथ ही टीडीएस भी घट जाता है। यह किट बिना बिजली के पानी को साफ करता है। डीआरडीओ द्वारा बनाए इस प्यूरीफिकेशन किट का आकार प्लास्टिक के पाउच जैसा है। पाउच में एक सरल और कॉम्पैक्ट प्रणाली विकसित की है। इसमें एक छोटा मेमरेन लगा है। इस पाउच में 500 एमएल पानी एक बार में एकत्रित कर के दो अन्य केमिकल उसमें मिलाया जाता है। इसके बाद समुद्र का खारा पानी भी पीने लायक बन जाता है।

पाउच की तरह जेब में रख सकेंगे, समुद्र का पानी भी पीने लायक बनेगा

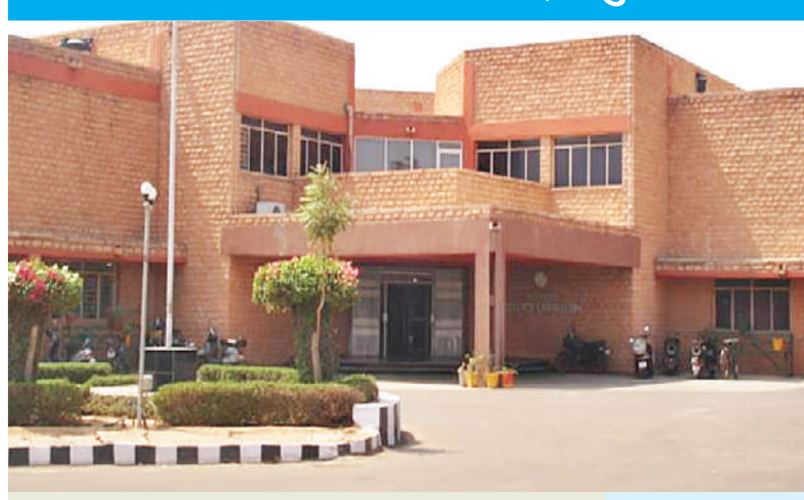

मार्केट में लाने के लिए 4 फर्म को TOT दी

डीआरडीओ ने इस तकनीक को मार्केट करने के लिए 4 फर्म को ट्रांसफर ऑफ टेक्नोलॉजी (टीओटी) दी है। डीआरडीओ ने अपनी इस टेक्नोलॉजी को 4 निजी कंपनी के साथ मार्केट करने के लिए एमओयू किया है। इसके अलावा डीआरडीओ ने दूरवर्ती इलाके में काम करने वाले देश के जवानों के लिए एक बोतल का निर्माण भी किया है। जिसमें भी मेमरेन लगा है। गंदा पानी भी पीने योग्य बनाया जाता है। इस बोतल में कोई भी अन्य केमिकल मिलाने की जरूरत नहीं होती है।

बिजली की जरूरत भी नहीं

दोनों केमिकल को मिलाकर पीने योग्य पानी बनाने में करीब 30 मिनट का समय लगता है। इसमें पहले डीएम 1(इसमें एनाइन है) को मिलाया जाता है। इसके करीब 10 मिनट बाद डीएम-2 (इसमें क्रेटाइन होता है) मिलाया जाता है। इसके 20 मिनट बाद पानी को पीया जा सकता है। इतना ही नहीं, समुद्र के पानी का टीडीएस 35000 होता है। इस पूरे प्रोसेस में कहीं भी बिजली की जरुरत भी नहीं होती है। इस किट को कई बार उपयोग में लिया जा सकता है।

कोटा में फिर सुसाइड

पंखे से झूला बीटेक का 27 वर्षीय छात्र

बेधड़क | कोटा

कोटा में छात्रों के सुसाइड करने का सिलसिला थम नहीं रहा है। यहां एक बार फिर एक छात्र ने सुसाइड कर लिया। बीटेक के छात्र ने फांसी लगाकर जान दे दी। फिलहाल छात्र ने ऐसा कदम क्यों उठाया, इसके कारणों का खुलासा नहीं हुआ है। मृतक छात्र का नाम नूर मोहम्मद है, जो कि उत्तर प्रदेश के गोंडा का निवासी था।

छात्र नूर मोहम्मद कोटा के विज्ञान नगर इलाके में रहता था। उसने विज्ञान नगर में किराए का कमरा ले रखा था। उसकी उम्र 27 साल बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि उसने देर रात कमरे में फंदा लगाकर जान दे दी। विज्ञान नगर थाने के एएसआई ने बताया कि छात्र कोटा में बीटेक की तैयारी कर रहा था। इस इलाके में वह 4 साल से रह रहा था। पुलिस के मुताबिक,रात को घटना की जानकारी मिली थी। सूचना पर पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची। छात्र अपने कमरे में पंखे से झूलता हुआ मिला। वह गले में फंदा लगाकर लटका हुआ दिखा। पुलिस उसे फंदे से उतार कर अस्पताल ले गई, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। छात्र के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम होने के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया जाएगा। पहली नजर में मामला सुसाइड का लग रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के असली कारणों का पता लगेगा।परिजनों को सूचना दे दी गई है।

पुलिस की जांच में छात्र के कमरे में किसी प्रकार का सुसाइड नोट नहीं मिला है। छात्र क्या कोई अवसाद में था, पुलिस पता लगा रही है। हालांकि, ये कोई पहली घटना नहीं है। कोटा में इसी साल जनवरी में एक छात्रा ने फांसी लगा ली थी। छात्रा का नाम निहारिका सिंह था।

अजमेर में भाजपा कार्यालय का उद्घाटन

हर लोकसभा क्षेत्र में 50 हजार से अधिक मतों से जीत का रखा लक्ष्य

बेधड़क | अजमेर

भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिए तैयारी शुरू कर दी है। संगठन ने क्लस्टर योजना के तहत अजमेर के भाजपा कार्यालय में लोकसभा चुनाव की तैयारियों के तहत कार्यालय का उद्घाटन किया।

क्लस्टर प्रभारी प्रसन्न चंद मेहता और जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने इस कार्यालय का उद्घाटन किया और कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर चुनाव की कार्य योजना तैयार की। मेहता ने दावा किया कि इस बार लोक सभा चुनाव में भाजपा की सीटें 400 के पार होंगी। इस दौरान अजमेर लोकसभा क्षेत्र की क्लस्टर बैठक हुई। बैठक में क्षेत्र के संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में क्लस्टर प्रभारी प्रसन्न चंद मेहता ने लोकसभा चुनाव की तैयारी और कार्य योजना को लेकर चर्चा की। संगठन के शीर्ष नेतृत्व के निर्देश के अनुसार प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र में लोकसभा चुनाव समिति बनाई जा रही है। प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र से 50 हजार मतों से जीतने का लक्ष्य रखा गया है। क्लस्टर प्रभारी प्रसन्न चंद मेहता ने बताया कि बीजेपी ने लोकसभा चुनाव में इस बार 400 से पार सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है, उसके मुताबिक ही कार्यकर्ताओं को कमर कसने के लिए कहा गया है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व में एक शक्ति के रूप में उभरा है। मोदी चाहते हैं कि प्रत्येक बीजेपी का कार्यकर्ता इसमें अपनी भूमिका निभाएं।

मिठाई पकवान और व्यंजन बनाने का दिया जा रहा प्रशिक्षण

जेल में कैदी अब करेंगे खुद का रोजगार

बेधड़क | धौलुपर

धौलुपर में जिला कारागार के कैदियों को समाज की मुख्य धारा एवं खुद के रोजगार से जोड़ने के लिए आरएसआरडीसी के माध्यम से 120 दिन का विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

कैदियों को विशेष पकवान, मिठाई व्यंजन एवं फास्ट फूड बनाने की ट्रेनिंग दी जा रही है। जेल से छूटने के बाद कैदी समाज की मुख्य धारा से जुड़कर खुद का रोजगार कर जीवन यापन कर सकेंगे। जेल उपाधीक्षक रामअवतार शर्मा ने बताया कि आरएसआरडीसी के माध्यम से जिला कारागार में बंद कैदियों को 120 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके लिए 30-30 कैदियों के बैच निर्धारित किए गए हैं। प्रशिक्षण टीम द्वारा जिला कारागार के अंदर ही प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण शिविर में कैदी पूरे मनोयोग के साथ भाग ले रहे हैं। 120 दिन तक चलने वाले प्रशिक्षण शिविर में पकवान, खाना, व्यंजन एवं फर्स्ट फूड की बारीकियां कैदियों को सिखाई जाएंगी। हुनर हासिल होने के बाद कैदी अपराध को तौबा कर समाज की मुख्य धारा से जुड़ेंगे एवं खुद का रोजगार भी सृजित कर सकेंगे। जीवन यापन करने के लिए कैदियों के पास जब खुद का रोजगार होगा तो जाहिर सी बात है, अपराध से भी तौबा कर सकेंगे। जिला कारागार में करीब 400 कैदी बंद है। सभी कैदियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। जेल उपाधीक्षक ने बताया कुछ हार्डकोर अपराधी भी शामिल हैं। वह भी प्रशिक्षण शिविर में भाग ले रहे है।

जैसलमेर में एयरफोर्स का युद्धाभ्यास 17 फरवरी से

सीमा पर अपनी ताकत दिखाएगी भारतीय वायुसेना

बेधड़क | जैसलमेर

जैसलमेर में स्थित एशिया की सबसे बड़ी फील्ड फायरिंग रेंज में भारतीय वायुसेना बड़ा युद्धाभ्यास करने जा रही है।

इस युद्धाभ्यास का नाम 'वायु शक्ति 2024' रखा गया है। 17 फरवरी को आयोजित होने जा रहे इस 2 घंटे 15 मिनट के फायर पावर डेमोस्ट्रेशन में भारतीय वायुसेना के 100 से भी ज्यादा फाइटर प्लेन समेत अन्य प्लेन हिस्सा लेंगे।

युद्धाभ्यास की घोषणा करते हुए भारतीय वायुसेना के वाइस चीफ एयर मार्शल एपी सिंह ने बताया- भारतीय वायु सेना के तेजस, सुखोई, मिराज, जगुआर जैसे फाइटर जेट भाग लेंगे। इसके अलावा राफेल, प्रचंड, ध्रुव और रुद्र हमलावर हेलिकॉप्टर भी शामिल होंगे।

उन्होंने बताया- हर तीन साल में होने वाले इस युद्धाभ्यास में 77 फाइटर जेट, 41 हेलिकॉप्टर, 5 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट, तीन तरह के सरफेस-टू-एयर मिसाइलें, 12 यूएवी, हवा से जमीन पर मार करने वाली प्रेसिशन और नॉन प्रेशिसन मिसाइलें, हवा से हवा में मार करने वाली गाइडेड मिसाइलें और सतह से हवा में मार करने वाली गाइडेड मिसाइलों का भी प्रदर्शन होगा।

मिसाइलों व 100 से ज्यादा फाइटर प्लेन का पावर डेंमोस्ट्रेशन

माइका व R-73 मिसाइलों का होगा प्रदर्शन

वायुसेना के वाइस चीफ एयर मार्शल एपी सिंह ने बताया- भारत के हल्के लड़ाकू विमान तेजस से माइका और आर-73 मिसाइलों की फायरिंग की जाएगी। उनकी सटीकता और मारक क्षमता की जांच की जाएगी। माइका मिसाइल को राफेल कंपनी बनाती है जबकि आर-73 वही मिसाइल है, जिससे विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान ने पाकिस्तानी एफ-16 फाइटर जेट को मार गिराया था। इसका प्रदर्शन किया जाएगा।

2 घंटे 15 मिनट का अभ्यास

वायुसेना के उप प्रमुख एयर मार्शल ए पी सिंह ने कहा- लड़ाकू विमान राफेल, प्रचंड और अपाचे लड़ाकू हेलिकॉप्टर उन संपत्तियों में शामिल होंगे जो पहली बार अभ्यास में हिस्सा लेंगे। पोकरण फायरिंग रेंज भारत-पाकिस्तान सीमा के करीब है। उन्होंने कहा कि यह अभ्यास दिन, शाम और रात में दो घंटे 15 मिनट तक चलेगा। उन्होंने कहा, 'हमने वायु शक्ति अभ्यास करने की योजना बनाई है ताकि भारतीय एयरोस्पेस शक्ति के संचालन की पूरी स्पेक्ट्रम का प्रदर्शन किया जा सके। यह लगभग रियलेस्टिक लैंडस्केप में आयोजित किया जा रहा है।

8वीं, 5वीं बोर्ड परीक्षा के लिए राहत

विद्यार्थी पांच फरवरी तक कर सकेंगे आवेदन

बेधड़क | बांदीकुई

आठवीं और पांचवी बोर्ड परीक्षा फार्म भरने के लिए शिक्षा विभाग ने राहत दी है। पहले इन दोनों कक्षाओं के परीक्षा फार्म भरने की अंतिम तिथि 31 जनवरी थी, जिसे बढ़ाकर 5 फरवरी तक कर दिया है। अभी तक दोनों कक्षाओं की बोर्ड परीक्षा के लिए कुल 59 हजार 883 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा फार्म भरे है।

वहीं 3418 परीक्षार्थी ऐसे है जिन्होंने अभी तक फार्म नहीं भरे है। शिक्षा विभाग हर साल जिला स्तरीय आठवीं और पांचवी बोर्ड परीक्षा का आयोजन करता है। इसके लिए संचालन के लिए जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डाइट बसवा को जिम्मेदारी दी है। डाइट द्वारा 8वीं और 5वीं बोर्ड परीक्षा के लिए 12 जनवरी से ऑनलाइन परीक्षा आवेदन लेना शुरू कर दिया था। जिले की कुल 1700 निजी एवं सरकारी स्कूलों के बच्चों को बोर्ड परीक्षा में शामिल किया है।

लेकिन परीक्षा फार्म भरने की अंतिम तिथि निर्धारित परीक्षार्थियों के परीक्षा फार्म नहीं भरने से शिक्षा विभाग ने अब 8वीं एवं 5वीं बोर्ड परीक्षा के लिए परीक्षा फार्म भरने की अंतिम तिथि को 5 फरवरी तक बढ़ा दिया है।

डाइट परीक्षा प्रभारी शिवचरण सिंह गुर्जर ने बताया कि परीक्षा फार्म भरने से वंचित रह गए परीक्षार्थी अब इस अंतिम तिथि तक फार्म भर सकते है। इसके बाद परीक्षा फार्म नहीं भर सकेंगे।

यूडीएच मंत्री खर्रा ने किया सत्येन्द्र पाल सिंह मेमोरियल महाराजा कप का उद्घाटन

कप के लिए भिड़ेंगी प्रदेशभर के कॉलेजों की क्रिकेट टीम

बेधड़क | जयपुर

गोखले महाराजा एलुमनी एसोसिएशन द्वारा महाराजा कॉलेज ग्राउंड में 29वें सत्येन्द्रपाल सिंह मेमोरियल महाराजा कप का उद्घाटन यूडीएच मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने गर्ल्स क्रिकेट प्रतियोगिता के साथ किया। गोखले महाराजा एलुमनी एसोसिएशन सचिव अरुण ढाका ने बताया कि राजस्थान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

उद्घाटन मैच महारानी कॉलेज और सुबोध कॉलेज के बीच खेला गया जिसमें सुबोध कॉलेज 54 रनों से विजयी रही। गोखले महाराजा एलुमनी एसोसिएशन कोषाध्यक्ष जितेंद्र कुमार ने बताया कि इस प्रतियोगिता में पहले गर्ल्स मैच होंगे उसके बाद बॉय्ज की क्रिकेट प्रतियोगिता होगी।

10 फरवरी को इसका समापन समारोह महाराजा कॉलेज ग्राउंड में आयोजित होगा। कार्यक्रम में महाराजा कॉलेज प्रिंसिपल प्रो. एसएन डोलिया, वाईस प्रिंसिपल ऋषिकेश मीणा, एसोसिएशन सरंक्षक अनिल मित्तल, पार्षद जितेंद्र श्रीमाली, समाजसेवी दिव्या तनेजा, कार्यक्रम संयोजक कंवरसेन यादव, पिंकसिटी ब्लडसेंटर चेयरमेन राव राजेंद्र सिंह, सदस्य विजय निठारवाल, देवेंद्र महरिया आदि ने शिरकत की। कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा ने इस दौरान विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों का दुर्घटना बीमा 10 लाख रुपए से बढ़ाकर 12 लाख रुपए करने की घोषणा की।

वहीं मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने छात्रों को भारतीय संस्कृति से जुड़े रहने और दुर्घटना में घायल लोगों की मदद करने की अपील की।

54 रन से जीती सुबोध कॉलेज

कप के उद्घाटन मैच में सुबोध गर्ल्स कॉलेज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए महारानी कॉलेज के सामने 54 रनों से जीत दर्ज की। शनिवार को पहला मैच लॉ कॉलेज व सेंट जेवियर कॉलेज के बीच और दूसरा मैच महाराजा कॉलेज व जेएनयू यूनिवर्सिटी के बीच खेला जाएगा।

Yuva स्टोरीज

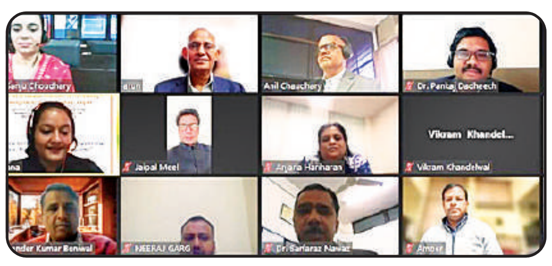

विशेषज्ञों ने की डेटा एनालिटिक्स पर चर्चा

जयपुर। कंप्यूटर विज्ञान, इंजीनियरिंग और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की ओर से 'इंटेलिजेंट सिस्टम में डेटा एनालिटिक्स -ICETCE-2024' विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में देश-विदेश के विभिन्न विशेषज्ञों ने डेटा एनालिटिक्स पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम की शुरुआत में एसकेआईटी निदेशक जयपाल मील ने प्रतिभागियों व अतिथियों का अभिनंदन किया। आयोजन अध्यक्ष प्रो. डॉ. अनिल चौधरी ने विजन, मिशन, अनुसंधान ढांचे और सम्मेलन के परिणामों पर प्रकाश डाला। तकनीकी कार्यक्रम अध्यक्ष कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, आयोवा स्टेट यूनिवर्सिटी, एम्स, यूएसए के प्रो. डॉ. अरुण के सोमानी ने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एक प्रेरक वार्ता दी। उन्होंने रोबस्ट हार्डवेयर-अवेयर न्यूरल आर्किटेक्चर सर्च (HW-NAS) के बारे में भी विचार साझा किया। विशिष्ट अतिथि आईबीएम इंडिया की पार्टनर एंड डिलीवरी लीडर टैलेंट ट्रांसफोर्मेशन अंजना हरिहरन ने नवाचार और प्रौद्योगिकी के मूलभूत पहलुओं पर चर्चा की। इंफोसिस के वरिष्ठ सलाहकार लर्निंग निशित गोयल ने जेनरेटिव एआई और टूल्स के बारे में बात की। अंत में आईसीईटीसीई के तकनीकी कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. पंकज धाड़ीच ने धन्यवाद ज्ञापित किया। सम्मेलन के संयोजक डॉ. सुनील धनखड़, एमके बेनीवाल और संजू चौधरी थे। उद्घाटन और सत्र का प्रबंधन सचिव डॉ. अंजना सांगवान ने किया।

हैलमेट वितरण कर दिया सड़क सुरक्षा का संदेश

जयपुर। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अवसर पर द पैलेस स्कूल ने दो निजी संस्थाओं के साथ मिलकर हेलमेट वितरण अभियान का आयोजन किया। इस अभियान में प्राचार्य उर्वशी वर्मन ने हेलमेट के उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने सभी से हेलमेट का उपयोग करने की अपील की और पिलियन राइडर्स को भी सम्मिलित करने का सुझाव दिया। मुस्कान फाउंडेशन की प्रोजेक्ट डायरेक्टर नेहा खुल्लर ने ISI मार्क प्रमाणपत्र के महत्व पर बात की। यह अभियान सड़क सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देने के साथ-साथ सभी प्रतिभागियों में जिम्मेदारी का भाव भी विकसित करता है जो सुरक्षित सड़कों की महत्वपूर्ण लक्ष्य की प्रभावी योजना में योगदान करता है।

आईसीएआई 7 को जारी करेगा सीए फाउंडेशन परिणाम

नई दिल्ली। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की सीए फाउंडेशन परीक्षा- 2023 का परिणाम 7 फरवरी को घोषित किया जाएगा। परिणाम आईसीएआई की ऑफिशियल वेबसाइट icai.nic.in पर जारी किया जाएगा जिसे अभ्यर्थी डाउनलोड कर पाएंगे। उम्मीदवारों को आईसीएआई सीए फाउंडेशन परिणाम डाउनलोड करने के लिए पंजीकरण प्रक्रिया के दौरान के अपने लॉगिन क्रेडेंशियल जैसे आवेदन संख्या और पासवर्ड की आवश्यकता होगी। परिणाम की घोषणा के तुरंत बाद आईसीएआई पुनर्मूल्यांकन और सत्यापन विंडो भी सक्रिय करेगा। गौरतलब है कि सीए फाउंडेशन-2023 परीक्षा 31 दिसंबर से 6 जनवरी तक देशभर के लगभग 290 परीक्षा केंद्रों पर ऑफलाइन मोड में आयोजित की गई थी। जो उम्मीदवार सीए फाउंडेशन परीक्षा उत्तीर्ण करेंगे, वे सीए पाठ्यक्रम के दूसरे स्तर, सीए इंटर के लिए योग्य होंगे।

MNIT में एनुअल फेस्ट **'ब्लित्जस्लैग'** शुरू

स्टूडेंट्स ने दिखाए टैलेंट के रंग, गुलजार हुआ कैंपस

बेधड़क | जयपुर

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी)कैम्पस शुक्रवार को स्टूडेंट्स के टैलेंट के रंगों से गुलजार रहा। संस्थान का वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव 'ब्लित्जस्लैग' शुक्रवार को स्टूडेंट्स के जोश, उत्साह व रोमांच के बीच शुरू हुआ। 3 दिन चलने वाले महोत्सव का औपचारिक उद्घाटन गुरुवार शाम को ही हो गया था लेकिन इवेंट्स की शुरूआत के साथ महोत्सव शुक्रवार को परवान चढ़ा। पहले दिन कई क्लब्स और सोसाइटी इवेंट्स के साथ-साथ कैम्पस के मुख्य इवेंट्स शामिल थे। दिन का आरंभ एमएनआईटी निदेशक प्रो. एनपी पाढ़ी ने किया।

दिन में आयोजित विभिन्न गतिविधियों और इवेंट्स में मुख्य आकर्षण एमएनआईटी फिल्म फेस्टिवल, फिल्ममेकिंग क्लब द्वारा आयोजित बूमरैंग और 'शो ए रील' थे। साथ ही, फोटोग्राफी क्लब द्वारा एसएसी लॉन में आयोजित इवेंट 'मोमेंट्स' में स्टूडेंट्स ने फोटोज के जरिए अपनी क्रिएटिविटी को पंख दिए।

मेवरिक्स क्लब की ओर से आयोजित एस्केप रूम, एक्टा दिउरना और उड़ता तीर ने दिन भर में स्टूडेंट्स का सबसे अधिक ध्यान खींचा। डिबेट क्लब द्वारा आयोजित 'तर्कयुद्ध' ने दिए गए विषय पर मजबूत राय के साथ स्टूडेंट्स को आकर्षित किया।

कविता की उड़ान, एंटरप्रेन्योरशिप का जुनून

ब्लित्जश्लैग के पहले दिन विभिन्न मनोरंजनात्मक और रोचक इवेंट्स के साथ ही स्टूडेंट्स की एंटरप्रेन्योरियल व एजुकेशनल स्किल्स को मंच देने वाले कार्यक्रम आयोजित किए गए। क्रिएटिव आर्ट्स क्लब द्वारा आयोजित आर्ट एग्जिबिशन, टोट बैग पेंटिंग, द बिग कैनवास और पेबल पेंटिंग ने स्टूडेंट्स ने क्रिएटिविटी के नए आयामों को छुआ। कविता क्लब द्वारा आयोजित 'अर्ज किया है', क्लासिकल म्यूजिक और डांस क्लब द्वारा 'गुनगुनाते चलो' और 'नृत्यांजलि', डांस क्लब द्वारा 'ब्रेकफ्री' स्टूडेंट्स ने अपने टैलेंट से हर किसी को झूमने पर मजबूर कर दिया। वहीं, क्विज क्लब द्वारा 'क्विज क्विज होता है' और 'एट विट्स एंड', चुनौतीपूर्ण गतिविधियों में उद्यमिता व विकास सेल द्वारा आयोजित 'ह्यूमन मोनोपॉली' में स्टूडेंट्स की एंटरप्रेन्योरशिप स्किल्स को मंच मिला। बुल राइड और आर्केड जैसी मजेदार गतिविधियों ने दर्शकों को एंटरटेन किया। ब्लित्जश्लैग की फ्लैगशिप सीरीज के नए इवेंट 'तमाशा' को छात्रों ने काफी पसंद किया।

टीम दहाड़ बनी नाटक विनर

विभिन्न कॉलेजों से आई विभिन्न टीमों ने नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता के लिए अपना टैलेंट दिखाया। इस प्रतियोगिता में मणिपाल विश्वविद्यालय की टीम दहाड़ ने पहला स्थान प्राप्त किया। टीम टॉर्च बेयरर फर्स्ट रनर अप व टीम डिल सेकंड रनर अप रही।प्रो-नाइट में डीजे रेवेटर ने अपनी लाजवाब संगीत कला के साथ एक अद्वितीय समां बनाया और सभी को उनके बीट्स पर डांस करने के लिए मजबूर कर दिया।

केवी-1 में राष्ट्रीय शालेय खेल

स्टूडेंट्स ने दिखाई योगासन प्रतिभा

बेधड़क | जयपुर

केंद्रीय विद्यालय संगठन की ओर से स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के बैनर तले आयोजित 67वें राष्ट्रीय शालेय खेल 2023-24 में देशभर से आए किशोर-किशोरियों ने योगासनों की अपनी लाजवाब प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

बजाज नगर स्थित पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रं-1 में चल रही प्रतियोगिता में दूसरे दिन शुक्रवार को केंद्रीय विद्यालय संगठन के अपर आयुक्त एन आर मुरली, क्षेत्रीय कार्यालय जयपुर के उपायुक्त बी एल मोरोडिया सहित स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा नियुक्त अधिकारी मौजूद रहे। राष्ट्रीय स्तर के इस आयोजन में योगासन से सम्बंधित विभिन्न सर्वश्रेष्ठ आसन प्रतियोगिताओं में अपने कौशल का जलवा बिखेरने देश भर के बीस राज्यों, तीन केंद्र शासित प्रदेशों एवं सात संस्थाओं के 186 छात्र एवं 188 छात्राएं भाग ले रहे हैं।

समापन समारोह रविवार प्रातः 11.30 बजे आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में पद्मश्री एवं खेल रत्न अवार्ड से सम्मानित पैरालंपिक खिलाड़ी अवनि लखारा मुख्य अतिथि होंगी।

सांस्कृतिक अभ्यास में जुटे छात्र

67वीं राष्ट्रीय शालेय खेलकूद प्रतियोगिता 2023-24 के रविवार को होने वाले समापन समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुति देने के लिए स्टूडेंट्स तैयारी कर रहे हैं। केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-5 में चल रहे सांस्कृतिक अभ्यास का निरीक्षण शुक्रवार को संगठन के क्षेत्रीय कार्यालय सहायक आयुक्त विकास गुप्ता और राजेश कंथारिया, प्राचार्य केवी 3 और समरीन कादरी प्राचार्य पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय आईआईटी जोधपुर ने किया। इस अभ्यास कार्यक्रम में विद्यालय के लगभग 160 विद्यार्थियों ने नृत्य और गायन में सहभागिता निभाई जिसमें रंग-बिरंगी वेशभूषा के साथ विद्यार्थियों ने अनेक नृत्यों की प्रस्तुतियां दी।

सहायक आयुक्त ने कुछ सुझाव भी दिए। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य राघवेंद्र लालसंतानियां व अन्य शिक्षक मौजूद थे।

ॐ सूर्याय नमः सूर्य सप्तमी को प्रदेश के सभी स्कूलों में होगा आयोजन

एक साथ सूर्य नमस्कार करेंगे प्रदेश के लाखों विद्यार्थी

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश के सभी सरकारी एवं निजी स्कूलों में सूर्य सप्तमी (15 फरवरी) के अवसर पर विद्यार्थियों को एक ही समय अवधि में सामूहिक रूप से सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया जाएगा। यह गतिविधि 15 फरवरी को सभी स्कूलों में प्रार्थना सभा के बाद प्रातः 10.30 बजे से 10.45 बजे तक होगी। इसके तहत पांच बार सूर्य नमस्कार का अभ्यास किया जाएगा। सभी स्कूलों में छात्रों एवं छात्राओं के अलग-अलग समूहों में इस गतिविधि का आयोजन होगा।

प्रशिक्षित व्यक्ति शनिवार से विद्यालयों में इसकी तैयारी करवाएंगे। प्रदेशभर के स्कूलों में अधिकारी इस दिन निरीक्षण भी करेंगे। स्कूल शिक्षा विभाग की इस विशेष पहल के बारे में शुक्रवार को आयोजित राज्य स्तरीय वीडियो कांफ्रेंसिंग (वीसी) में राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद के आयुक्त एवं राज्य परियोजना निदेशक अविचल चतुर्वेदी ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सूर्य पृथ्वी पर सभी चीजों के लिए ऊर्जा का प्रमुख स्रोत हैं और इससे हममें सकारात्मक ऊर्जा का संचालन होता है। ऐसे में इस महत्वपूर्ण आयोजन में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी के लिए शिक्षा विभाग के अधिकारी स्थानीय स्तर पर जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों के साथ ही जिला प्रशासन, जिला परिषद और अन्य संबंधित विभागों से सम्पर्क कर इस गतिविधि के बारे में जानकारी साझा करें।

स्टूडेंट्स को फिजिकल एक्टिविटीज के लिए करेंगे मोटिवेट

वीसी में माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने बताया कि आजकल बच्चे फिजिकल एक्टिविटी में कम रुचि लेते हैं, ऐसे में इस गतिविधि के माध्यम से उनको इसके लिए मोटिवेट किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस सामूहिक आयोजन में भाग लेने वाले विद्यार्थियों, शिक्षकों, कार्मिकों, अभिभावकों और गणमान्य लोगों की जानकारी शाला दर्पण पोर्टल के मॉड्यूल में अपलोड की जाएगी। सभी संस्था प्रधान अपने स्कूलों में इस गतिविधि के सम्पन्न होने के तुरंत बाद इसे अपडेट करेंगे। प्रारम्भिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने कहा कि विद्यार्थियों को हेल्दी बॉडी और माइंड के लिए इस गतिविधि का महत्व समझाएं, जिससे वे आगे भी इसका अभ्यास जारी रखने के लिए प्रेरित हो।

स्वास्थ्य परेशानी वालों को अलग रखें

वीसी में अधिकारियों और संस्था प्रधानों को निर्देश दिए गए कि छोटे बच्चे या फिर ऐसे विद्यार्थी जिनको स्वास्थ्य सम्बंधी कोई दिक्कत हो, उन्हें इस अभ्यास में शामिल नहीं किया जाए। वे इसे देखकर अपनी भागीदारी निभा सकते हैं। जिलों से जुड़े सीडीईओ, डीइओ माध्यमिक एवं प्राथमिक को निर्देश दिए गए कि वे अपने स्तर पर निजी स्कूलों के प्रिंसिपल और प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर इस गतिविधि के बारे में जानकारी साझा करे।

त्रासदी से कम नहीं है परीक्षाओं में प्रश्न डिलीट होना

सुनील कुमार महला
स्वतंत्र पत्रकार

हाल ही में राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा स्कूल लेक्चरर (स्कूल शिक्षा) वर्ष 2022 के विभिन्न विषयों की फाइनल आंसर-की जारी की गई है। जारी की गई इस फाइनल आंसर-की में राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा विभिन्न विषयों में अनेक प्रश्नों को डिलीट किया गया है। यह हमारी परीक्षा प्रणाली पर प्रश्नचिह्न लगाता है। वास्तव में, इतनी अधिक संख्या में प्रश्नों को डिलीट करने से अभ्यर्थियों पर बहुत ही नकारात्मक प्रभाव(नेगेटिव इफेक्ट) भी पड़ता है। सच तो यह है कि अभ्यर्थी एक प्रकार के मनोवैज्ञानिक दबाव में रहते हैं। परीक्षार्थी उलझन में रहता है और कई बार उसे यह लगता है कि उसकी तैयारी में कुछ कमी रह गई है। ऐसे में प्रश्न पत्र निर्माता को यह चाहिए कि वह परीक्षा हेतु ऐसे प्रश्न बनाएं जिसमें संशय या डाउट की कहीं भी कोई भी गुंजाइश ही ना हो। इतनी अधिक संख्या में प्रश्नों को डिलीट करने से प्रश्न पत्र लेने वाली संस्थाओं व प्रश्न पत्र निर्माताओं पर भी सवालिया निशान खड़े होते हैं। वास्तव में प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रश्नों को डिलीट करने की परंपरा काफी सालों से चली आ रही है। हाल ही में एक प्रतिष्ठित हिंदी दैनिक के हवाले से यह खबर आई है कि आरपीएससी ने स्कूल लेक्चरर परीक्षा 2022 में 132 डिलीट किए हैं। इनमें केमेस्ट्री के 17, हिंदी के 16 और उर्दू के 11 प्रश्न शामिल हैं।

दैनिक ने यह स्पष्ट रूप से लिखा है कि इतनी बड़ी संख्या में प्रश्न डिलीट होने से मामला कोर्ट में जा सकता है। ऐसे में प्रश्नों पर ही नहीं आयोग के पेपर सेटरों पर भी उंगली उठती रही है। स्कूल लेक्चरर के 26 विषयों पर भर्ती के लिए परीक्षा आयोजित की गई थी। अब आयोग ने अंतिम परिणाम जारी करने के बाद विषयवार अंतिम आंसर की भी जारी की हैं। इन आंसर की के सामने आते ही अभ्यर्थियों में हलचल मच गई है। आयोग द्वारा इतनी बड़ी संख्या में प्रश्न डिलीट किए जाने से एक्सपर्ट भी असमंजस में हैं। यहां प्रश्न यह उठता है कि आखिर ऐसी नौबत ही क्यों आती है कि किसी भी आयोग को हरेक परीक्षा में प्रश्नों को डिलीट करना पड़े? निर्धारित सिलेबस, निर्धारित अंकों के बावजूद आयोग को लगभग हरेक परीक्षाओं में प्रश्नों को डिलीट करना पड़ता है और भर्तियां माननीय न्यायालय में चली जाती हैं। फिर सालों साल केस चलते हैं। यहां बात सिर्फ और सिर्फ राजस्थान लोक सेवा आयोग की ही नहीं है, देशभर में आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं में अक्सर ऐसा होता है और यह बात मीडिया के हवाले से आई खबरों से हम सभी को पता चलती है। यहां यक्ष प्रश्न यह उठता है कि क्या किसी भी आयोग के सब्जेक्ट एक्सपर्ट डेढ़ दो सौ ऐसे प्रश्नों का चुनाव नहीं कर सकते हैं जो कि किसी भी तरह से विवादों या संशय की स्थिति में न आने पाये ? आयोग की गलतियों का खामियाजा बहुत बार मेधावी छात्रों को भुगतना पड़ता है और वे प्रश्नों के डिलीट होने के कारण चयन से वंचित हो जाते हैं। अनेक बार यह देखा गया है कि अधिकतर आयोग परीक्षा आयोजन के बाद संबंधित परीक्षा की प्रोविजनल आंसर की जारी करते हैं और इसके बाद अभ्यर्थियों से आपत्तियां भी ली जाती हैं। आपत्तियां लेने के बाद कुछ समय बाद फाइनल आंसर-की जारी की जाती है, लेकिन आजकल फाइनल आंसर-की जारी करने से पहले ही नियुक्तियां तक दे दी जाती हैं, जबकि होना तो यह चाहिए कि नियुक्तियां देने से पहले ही फाइनल आंसर-की को जारी किया जाना चाहिए, ताकि अभ्यर्थियों को परीक्षा विशेष की आंसर-की से आत्मिक संतुष्टि मिल सके।

> *"ऐसे में किसी भी परीक्षा को आयोजित करवाने वाली संस्था/बॉडी/ आयोग को यह चाहिए कि वह ऐसे प्रश्नपत्रों का निर्माण करे, जिससे विवादों की स्थितियां पैदा ही न होने पाए। आपत्तियों के लिए भी अनेक बार यह देखा गया है कि एक एक प्रश्न के लिए हजार-हजार रुपए की राशि मांगी जाती है, जो कि किसी बेरोजगार व गरीब अभ्यर्थी के लिए अदा करना बहुत मुश्किल होता है।"*

नियुक्तियां देने के बाद किसी परीक्षा विशेष के अंक जारी करना व फाइनल आंसर-की जारी करना अभ्यर्थियों के लिहाज से ठीक व जायज नहीं ठहराया जा सकता है, क्यों कि इससे वे अपने द्वारा दी गई परीक्षा का सही से आंकलन नहीं कर पाते हैं। आयोग द्वारा पहले परिणाम जारी करना और फाइनल आंसर-की बाद में जारी करना क्या ठीक कहा जा सकता है ? जानकारी देना चाहूंगा कि पिछले साल यानी कि वर्ष 2023 के दौरान अगस्त महीने में परीक्षा परिणाम जारी किए गए थे और अब जनवरी 2024 के अंतिम सप्ताह में अभ्यर्थियों को उनके अंक दिखाये गये हैं। आज हर तरफ प्रतिस्पर्धा का एक कठिन दौर है और अभ्यर्थियों को परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के लिए बहुत अधिक मेहनत करनी पड़ती है। एक-एक अंक का बहुत महत्व रहता है लेकिन क्वेश्चन डिलीट होने से अभ्यर्थियों को नुक्सान उठाना पड़ता है। प्रतिस्पर्धा के इस कठिन युग में आयोग द्वारा 15 से 17 क्वेश्चन को डिलीट करना बहुत बड़ी बात है। ऐसी परिस्थितियों में अभ्यर्थियों के पास कोर्ट में जाने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचता है। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा जो फाइनल आंसर-की जारी की गई है उसमें हिंदी के 16, कैमेस्ट्री के 17,उर्दू के 11 तथा इतिहास व संस्कृत के आठ-आठ प्रश्न डिलीट किए गए हैं। पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन सब्जेक्ट को छोड़कर कमोबेश अधिकतर सब्जेक्ट्स में प्रश्नों को डिलीट किया गया है। वर्तमान में अभ्यर्थी फाइनल आंसर-की से संतुष्ट नहीं है और वे कोर्ट जाने की तैयारी कर रहे हैं, क्योंकि आयोग द्वारा पहले आंसर-की जारी करके अभ्यर्थियों से आपत्तियां मांगी गई थी और इनमें से कुछ आपत्तियों को तो मान लिया गया जबकि अन्य को आयोग द्वारा नहीं माना गया, इससे अभ्यर्थियों को नुक्सान हुआ है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अंतरिम बजट में शोध के लिए युवाओं को मिलेगा ब्याज मुक्त कर्ज

अनुसंधान में लगे युवाओं के सपने होंगे पूरे

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ साहित्यकार
व पत्रकार

> *"भारत में सरकार या सरकारी संस्थाएं ही सबसे ज्यादा शोध का खर्च वहन करती हैं। जबकि अमेरिका में सरकार शोध पर सिर्फ 10 प्रतिशत और चीन में सिर्फ 16 प्रतिशत खर्च करती हैं। बाकी खर्च निजी क्षेत्र उठाता है। यदि भारत के निजी उच्च शिक्षा संस्थान शोध के क्षेत्र में खर्च की भागीदारी बढ़ा दें तो शोध का स्तर बेहतर हो सकता है। यदि ऐसा होता है तो संभव है कि भारत विज्ञान के क्षेत्र में शिखर पर पहुंच जाए।"*

बीते कुछ सालों में भारत ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में अनेक वैश्विक उपलब्धियां हासिल करके दुनिया को चौंकाने का काम कर दिया है। इनमें पहली बार चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचना, सूर्य के अध्ययन के लिए आदित्य-एल मिशन प्रक्षेपित करना और इसरो द्वारा ब्लैक होल के रहस्यों को खंगालने के लिए उपग्रह भेजने जैसी उपलब्धियां शामिल हैं। भविष्य में भारत अंतरिक्ष में मानव युक्त गगनयान भेजने और शुक्र ग्रह पर पर जाने की तैयारी में है। धरती और समुद्री सतह पर भी उल्लेखनीय वैज्ञानिक उपलब्धियां हासिल की हैं। बावजूद वैज्ञानिक अनुसंधनों में भारत कई देशों से पिछड़ रहा है। धन की कमी के चलते संस्थाएं और मौलिक सोच रखने वाले युवा सपने देखते ही रह जाते हैं। इसकी एक वजह निजी क्षेत्र का अनुसंधान में ज्यादा योगदान नहीं देना भी रहा है। लेकिन अब 2024 के अंतरिम बजट में ऐसे प्रावधान कर दिए हैं, जो युवाओं के सपने पूरा करने में मदद करेंगे। उन्हें अब धन की कमी आड़े नहीं आएगी। शोध के लिए वे जितना चाहेंगे, ब्याज मुक्त धन मिल जाएगा। बजट में सरकार ने युवाओं के सपने साकार करने के लिए बड़ा एलान किया है। इसके अंतर्गत 50 वर्षों तक के लिए ब्याज मुक्त ऋण हेतु एक लाख करोड़ रुपए की निधि तय की गई है, इससे उभरते नवीन क्षेत्रों में अनुसंधान और आविष्कारों के लिए आर्थिक मदद दी जाएगी। इस पहल से शोध में तो तेजी आएही ही, नए रोजगार भी विकसित होंगे। इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'जय अनुसंधान' नारे से जोड़कर देखा जा रहा है।

हालांकि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत 'राष्ट्रीय शोध संस्थान' के गठन की घेशणा की थी। 2021 के बजट में इस मकसद पूर्ति के लिए 5 वर्षों में 50 हजार करोड़ रुपए खर्च भी किए जाने हैं। इस परिप्रेक्ष्य में शैक्षिणिक संस्थानों के साथ मिलकर शोध के क्षेत्र में तेजी आई हुई है। इसका कारगर परिणाम हाल ही में जारी हुई उच्च शिक्षण संस्थानों की विश्वस्तरीय रैंकिंग में दिखा दी है। अब तक भारत अपनी जीडीपी का मात्र 0.65 प्रतिशत शोध पर खर्च करता रहा है। अतएव एक लाख की आबादी पर महज 26 शोधार्थी ही नए शोध कर पाते हैं, जबकि निम्न आय वाले देशों में यह अनुपात 32 और चीन में 169 एवं अमेरिका में 445 है। धन की कमी से शोध कार्य न केवल लंबे खिंचते हैं, बल्कि कभी-कभी अप्रासंगिक भी हो जाते हैं। इस नाते भारत अनुसंधान के पैमाने पर चीन और अमेरिका से तो पीछे है ही, दक्षिण अफ्रीका से भी पिछड़ा है, दक्षिण अफ्रीका में जीडीपी दर 0.8 प्रतिशत है, जो भारत से अधिक है। आरएंडडी पर विश्व का औसत खर्च 1.8 प्रतिशत है, अतएव हम औसत खर्च का आधा भी खर्च नहीं करते हैं। भारत का शोध पर कुल खर्च 17.6 अरब डॉलर है,जबकि अमेरिका का 581 और चीन का 298 अरब डॉलर है। नतीजतन हम नए अनुसंधान,आविष्कार और स्वदेशी उत्पाद में पिछड़े हैं। इसीलिए पेटेंट के क्षेत्र में भारत विकसित देशों की बराबरी करने में पिछड़ गया है।

भारत से कम जीडीपी वाले फ्रांस, इटली, ब्रिटेन और ब्राजील भी हमसे कई गुना ज्यादा धन शोध पर खर्च करते हैं। यदि यही सिलसिला जारी रहता तो वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत भविष्य में कैसे टिक पाता? गोया, शोध के क्षेत्र में धन बढ़ाकर भारत ने न केवल युवाओं के हौसलों को उड़ान भरने का सुनहरा अवसर दिया है, बल्कि आविष्कार के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो जाने का मार्ग भी प्रशस्त कर दिया है। भारत में उच्च शिक्षा के 40 हजार से ज्यादा संस्थान हैं। इनमें से सिर्फ एक प्रतिशत में अनुसंधान होता है। इसीलिए अब तक दुनिया के 100 बेहतरीन संस्थानों में से भारत का एक भी नहीं है। शोध का अवसर नहीं मिलने के चलते ही भारत के युवा अमेरिका, जर्मनी और ब्रिटेन में पीएचडी के लिए चले जाते हैं। इनमें से अधिकतर वापस भी नहीं लौटते। पिछले साल अमेरिका में विज्ञान पढ़ने वाले विदेशी छात्रों में सबसे ज्यादा भारत के ही छात्र थे। भारत में सरकार या सरकारी संस्थाएं ही सबसे ज्यादा शोध का खर्च वहन करती हैं। जबकि अमेरिका में सरकार शोध पर सिर्फ 10 प्रतिशत और चीन में सिर्फ 16 प्रतिशत खर्च करती हैं। बाकी खर्च निजी क्षेत्र उठाता है।

यदि भारत के निजी उच्च शिक्षा संस्थान शोध के क्षेत्र में खर्च की भागीदारी बढ़ा दें तो शोध का स्तर बेहतर हो सकता है। यदि ऐसा होता है तो संभव है कि भारत विज्ञान के क्षेत्र में शिखर पर पहुंच जाए। इसकी एक बड़ी वजह यह भी है कि विज्ञान के क्षेत्र में भारतीयों की रुचि अधिक है। भारत दुनिया का अकेला ऐसा देश हैं, जहां के 31 प्रतिशत विद्यार्थी विज्ञान, गणित और तकनीकी विषयों में सबसे ज्यादा रुचि लेते हैं। इसके बाद इजराइल है जहां के 27 प्रतिशत छात्र और फिर अमेरिका आता है, जहां के 20 प्रतिशत छात्र विज्ञान, गणित और तकनीकी विषयों में रुचि लेते हैं। हालांकि नवाचारी वैज्ञानिकों को लुभाने की सरकार ने अनेक कोशिशें की हैं। बावजूद देश के लगभग सभी शीर्ष संस्थानों में वैज्ञानिकों की कमी है। वर्तमान में देश के 70 प्रमुख शोध-संस्थानों में 3200 वैज्ञानिकों के पद खाली हैं। बेंगलुरु के वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआइआर) से जुड़े संस्थानों में सबसे ज्यादा 177 पद रिक्त हैं। पुणे की राष्ट्रीय रसायन प्रयोगशाला में 123 वैज्ञानिकों के पद खाली हैं। देश के इन संस्थानों में यह स्थिति तब है, जब सरकार ने पदों को भरने के लिए के आकर्षक योजनाएं शुरू की हुई हैं। इनमें रामानुजन शोधवृत्ति, सेतु-योजना, प्रेरणा-योजना और विद्यार्थी-वैज्ञानिक संपर्क योजना शामिल हैं। महिलाओं के लिए भी अलग से योजनाएं लाई गई हैं। इनमें शोध के लिए सुविधाओं का भी प्रावधान है। इसके साथ ही राज्यों में कार्यरत वैज्ञानिकों को स्वदेश लौटने पर आकर्षक पैकेज देने के प्रस्ताव दिए जा रहे हैं। बावजूद परदेश से वैज्ञानिक लौट नहीं रहे हैं। इसकी पृष्ठभूमि में एक तो वैज्ञानिकों को यह भरोसा पैदा नहीं हो रहा है कि जो प्रस्ताव दिए जा रहे हैं वे निरंतर बने रहेंगे? दूसरे नौकरशाही द्वारा कार्यप्रणाली में अड़ंगों की प्रवृत्ति भी भरोसा पैदा करने में बाधा बन रही है।

मौजूदा परिदृश्य में कोई भी देश वैज्ञानिक उपलब्धियों से ही समर्थ हो सकता है। मानव जीवन को यही उपलब्धियां सुखद और समृद्ध बनाए रखने का काम करती हैं। भारत में युवा उत्साहियों या शिक्षित बेरोजगारों की भरमार हैं, बावजूद वैज्ञानिक बनने या मौलिक शोध में रुचि लेने वाले युवाओं की संख्या कम है। इसकी प्रमुख वजह हम अपने वैज्ञानिकों को खिलाड़ी, अभिनेता, नौकरशाह और राजनेताओं की तरह रोल मॉडल नहीं बना पा रहे हैं। सरकार विज्ञान से ज्यादा महत्व खेल को देती है। दूसरे उस सूचना तकनीक को विज्ञान मान लिया गया है, जो वास्तव में विज्ञान नहीं है, बावजूद इसके विस्तार में प्रतिभाओं को खपाया जा रहा है। वैज्ञानिक प्रतिभाओं को तवज्जो नहीं मिलना भी प्रतिभाओं के पलायन का एक बड़ा कारण है। जाहिर है, हमें ऐसा माहौल रचने की जरुरत है, जो मौलिक अनुसंधान व शोध-संस्कृति का पर्याय बने।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

अपने लिए तो कालूखेड़ी ही भली

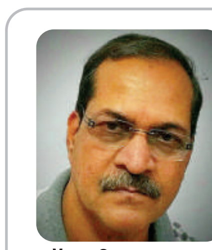

डॉ. प्रदीप उपाध्याय
व्यंग्यकार

निष्ठुर जी, कब तक कालूखेड़ी में ही पड़े रहोगे! दुनिया कहां से कहां आ पहुंची है और एक तुम हो कि कुएं के मेंढक की तरह बस कालूखेड़ी में दुबके पड़े हो।" भाई! तुम ही बताओ कि बाहर निकल कर भी क्या हासिल होना है! कितनी ही बातों के अर्थ खोजने निकलता हूं तो उनमें अर्थ का अनर्थ पाकर उनके व्यर्थ होने का अहसास होने लगता है! "देखो निष्ठुर, तुम यहां बैठकर कागज काले कर रहे हो और तुम्हें उनमें हासिल का शुन्य भी नहीं मिल रहा है और उधर लोगों को देखो राजधानी में बैठे हैं या फिर कोई अमेरिका से तो कोई ऑस्ट्रेलिया से, कोई ब्रिटेन से तो कोई फ्रांस से पार्ट टाइम जाकर अपना फुल टाइम रंग यहां -वहां जमा रहे हैं। यदि कोई थोड़ा हल्का -फुल्का हुआ तो दुबई तक दौड़ लगा आता है और सम्मान -पुरस्कार प्राप्त कर लेता है। तुम्हें कालूखेड़ी में क्या मिलना-जुलना है बाबाजी का ठुल्लू।

"भैया, लोग बाग भी बहुत ऊंची-ऊंची फेंकते रहते हैं। आजकल फेंकने का ही तो जमाना है जो जितना माहिर होगा,उसका उतना ही प्रभाव होगा। वैसे ऐसा भी नहीं है कि सभी फेंकू हों, कुछ लोग सच भी कहते होंगे। देसी राग विदेशी बाजा तो बहुत हुआ, अब लोग-बाग विदेशी राग देसी बाजे के साथ सुनाने में लगे हैं।

अपने राम तो गली-मोहल्ले से ही अपनी बात कहकर खुश हैं। अपनी तो कालूखेड़ी से बाहर निकलने की सोच ही नहीं है। शायद अपनी औकात भी कालूखेड़ी जितनी ही है वरना अपन भी कागज काले करने के बाद ठीक उसी तरह से लिखते जैसे फलानेचंद सिडनी से तो ढिमाकेचंद फ्लोरिडा से। कोई -कोई तो पूरे देश पर ही कब्जाते हुए लिख डालते हैं और प्रभाव छोड़ते हैं फ्राम यूएस, फ्राम यूके या फिर ऐसे ही कुछ।" तुम भी तो ऐसा कर सकते हो। तुम्हें किसने रोका है! ऐसा तो नहीं कि तुमने भी ऐसा ही बहुत कुछ सोचा हो, लेकिन कहीं तुम्हारी दाल नहीं गली या फिर किसी ने तुम्हारी दाल गलने नहीं दी हो। यह ठीक वैसा ही है जैसे किसी को बेईमानी का मौका ना मिले तो वह अपने ईमानदार होने का ढिंढोरा जगत भर में पीटता हुआ मिलता है, कुछ-कुछ तुम्हारे साथ भी ऐसा ही समझ में आ रहा है। तुम्हारे सितारे उस तरह से भी काम नहीं कर पाए हों जैसे अमोलक जी के बेटे जर्मनी में सेटल हो गए और अमोलक जी अपनी रचनाएं साल में दो महीने सीधे जर्मनी से भेजकर छाती चौड़ी करते फिरते हैं। रत्नेश जी का मामला दूसरा है, उनकी बेटी उम्मीद से है और रत्नेश जी को जच्चा-बच्चा की देखभाल हेतु सपत्नीक पहुंचना जरूरी लगा, अब वे भी बेटी -दामाद के साथ रहकर फ्रांस से ही स्वतंत्र लेखक बने हुए हैं।" "नहीं भाई ऐसा नहीं है। अपना तो कोई राजधानी में भी नहीं है जिसके बल पर थोड़ा बहुत उछल लें।" इन्हीं कारणों से कहीं तुम्हारे मन में कोई ईर्ष्या का भाव तो नहीं फूट पड़ा है और इसी कारण निष्ठुर बन गए हो! "अरे नहीं भाई, जेहन में आए ऐसे विचार लोगों को सोचने पर विवश कर सकते हैं कि कहीं इसमें मेरा ईर्ष्या भाव झलक रहा है। तुम कह सकते हो कि मुझे जलन होती है और अपने प्रवासी नहीं हो पाने की वजह से कुछ उटपटांग सी बात करता रहता हूं, लेकिन ऐसा है नहीं।"

तब फिर! "देखो ऐसा है कि मुझे अपनी कालूखेड़ी के खेत-खलिहानों से प्यार है। रंग -बिरंगी तितलियां मुझे लुभाती है। पंछी आकर आज भी मुझसे बातें करते हैं। उगते सूर्य की स्वर्णिम रश्मियां हों या फिर डूबते सूरज की आकाश में छाई लालिमा या फिर चंद्रमा की शीतल छाया, भला इन्हें छोड़कर मैं कंक्रीट के जंगल में कैसे जा सकता हूं। इसीलिए कहता हूं कि अपने लिए तो कालूखेड़ी ही भली है।"

नॉलेज कॉर्नर: भ्रष्टाचार में 180 देशों की लिस्ट में भारत 85वें से पहुंचा 93वें पायदान पर

किस देश में कितना करप्शन! ऐसे होता है तय

दुनिया के सबसे ज्यादा भ्रष्ट और सबसे कम करप्ट देशों की लिस्ट जारी कर दी गई है। 180 देशों की लिस्ट में सोमालिया, सीरिया, यमन उन देशों में हैं जहां सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार है। वहीं, डेनमार्क, न्यूजीलैंड, फिनलैंड उन मुल्कों में शामिल है जहां सबसे कम करप्शन है। भारत पर नजर डालें तो यहां भ्रष्टाचार बढ़ा व 85 से 93वें पायदान पर पहुंच गया। आखिर कैसे पता चलता है कि किस देश में कितना करप्शन है, किस-किस तरह की गतिविधियों को भ्रष्टाचार में गिना जाता है, रिपोर्ट को कैसे तैयार किया जाता है। आज के नॉलेज कॉर्नर में दुनियाभर के देशों में होने वाले करप्शन के बारे में जानते हैं विस्तार से...

देश के हालातों पर निर्भर

ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल एक अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी संस्था है जिसका हेडक्वार्टर जर्मनी के बर्लिन में है। संगठन हर साल एक करप्शन परसेप्शंस इंडेक्स जारी करता है जिसमें दुनियाभर के देशों की करप्शन की स्थिति का जिक्र होता है। इस इंडेक्स से दुनियाभर में देशों में भ्रष्टाचार का स्तर पता चलता है। किस देश में सबसे ज्यादा करप्शन है, इसे तय करने के भी अपने मानक हैं। अब इसे भी जान लेते हैं। यह संगठन किसी देश में करप्शन का पता लगाने के लिए 3 तरह का डाटा शामिल करता है

जो 13 अलग-अलग तरह के सर्वे और संस्थानों से इकट्ठा होता है। इसमें वर्ल्ड बैंक और वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम जैसे ऑर्गेनाइजेशन शामिल होते हैं। इसके अलावा अलग-अलग देशों के विशेषज्ञ और कारोबारियों से भी बात की जाती है। इन अलग-अलग हिस्सों से आने वाले डाटा को कैलकुलेट किया जाता है और रैंक तैयार की जाती है। इस तरह देशों को वहां के हालात के हिसाब से अधिक भ्रष्ट या कम भ्रष्ट बताया जाता है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल संगठन की लिस्ट में 180 देश शामिल हैं। कई देश इसमें नहीं शामिल हैं, इसका मतलब यह कतई नहीं है कि वहां भ्रष्टाचार नहीं है। दरअसल, लिस्ट में उन देशों को इसलिए नहीं शामिल किया गया है क्योंकि वहां से पर्याप्त आंकड़े नहीं मिल पाए हैं जो हालात को बयां कर सकें। इसलिए उन्हें इंडेक्स का हिस्सा नहीं बनाया गया।

दुनिया के देशों का हाल

इंडेक्स में रैंक जितनी ज्यादा होगी, उस देश को उतना ही करप्ट माना जाता है। जैसे फिनलैंड की रैंक 1 है, यानी यहां दुनिया में सबसे कम करप्शन है। वहीं, सोमालिया 180वें पायदान पर है। इसका मतलब है यहां सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार है। 180 देशों की लिस्ट में दो तिहाई से अधिक ऐसे देश हैं जहां के हालात ठीक नहीं हैं। भारत 93वें पायदान और पाकिस्तान 133वीं रैंक पर है। पिछले सालों और इस साल जारी हुई इंडेक्स की तुलना करें तो पता चलता है कि ज्यादातर देशों ने पब्लिक सैक्टर में भ्रष्टाचार को रोकने के लिए बहुत प्रभावी कदम नहीं उठाए।

ये बातें भ्रष्टाचार में महत्वपूर्ण

भ्रष्टाचार का मतलब सिर्फ रिश्वत देना नहीं है। इस इंडेक्स को बनाते समय कई अन्य चीजों को करप्शन का हिस्सा माना जाता है। जैसे पब्लिक के फंड का गलत इस्तेमाल, पब्लिक ऑफिस का निजी इस्तेमाल, पब्लिक सैक्टर में बढ़ता भ्रष्टाचार, सिविल सेवा में सगे-सम्बंधियों की नियुक्तियां इत्यादि।

कंटेंट: कुलदीप सिंह जादौन

X

योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
@myogiadityanath
कोई भी राजनीतिक दल अब महिलाओं को विधान सभा और देश की संसद में पहुंचने से रोक नहीं पाएगा...

अरविंद केजरीवाल, मुख्यमंत्री, दिल्ली
@ArvindKejriwal
चंडीगढ़ मेयर चुनाव में बीजेपी ने वोटों की चोरी की। ये लोग देश के लोकतंत्र के लिए ख़तरा हैं। जनतंत्र और देश को बचाने के लिए अगर सड़कों पर भी उतरना पड़ा तो हम उतरेंगे।

कांग्रेस सांसद सुरेश के बयान को लेकर तकरार, भाजपा ने विपक्षी पार्टी पर बोला जमकर हमला

देश तोड़ने की कोई भी बात हम कभी स्वीकार नहीं करेंगे: खरगे

एजेंसी | नई दिल्ली

कर्नाटक के कांग्रेस सांसद डीके सुरेश के एक कथित बयान को लेकर शुक्रवार को राज्यसभा में केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बीच जोरदार बहस हुई।

खरगे ने कहा कि डीके सुरेश का बयान पार्टी की राय का प्रतिनिधित्व नहीं करता। वहीं, गोयल ने बयान को आपत्तिजनक बताते हुए कांग्रेस से माफी मांगने की बात कही। खरगे कहा, हम देश को तोड़ने वाले किसी भी बयान को बर्दाश्त नहीं करेंगे। वह बयान किसी भी पार्टी का हो...चाहे वह मेरी पार्टी का हो या उनकी पार्टी का, या किसी और का। कोई कहे या न कहे, मैं मल्लिकार्जुन खरगे यही कहूंगा कि कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत एक है और एक रहेगा। खरगे ने पूर्व प्रधानमंत्रियों के बलिदान का जिक्र करते हुए कहा कि देश को एकजुट रखने के मकसद के लिए ही इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया।

विशेषाधिकार समिति मामले पर गौर करें

खरगे ने सुरेश के बचाव में कहा, उनके पार्टी के लोकसभा सांसद ने टीवी पर स्पष्टीकरण दिया है कि उन्होंने वैसा कभी नहीं कहा, जो टीवी पर बताया जा रहा है। खरगे ने कहा,अगर उन्होंने कुछ आपत्तिजनक कहा भी है तो इस मामले को लोकसभा की विशेषाधिकार समिति को देखना चाहिए। उन्होंने दोहराया कि कांग्रेस ऐसी बात बर्दाश्त नहीं करेगी।

देश की संप्रभुता और अखंडता का अपमान: गोयल

इससे पहले गोयल ने शुक्रवार सुबह 11 बजे राज्यसभा की बैठक शुरू होने पर डीके सुरेश के बयान से जुड़ा मुद्दा उठाया। । उन्होंने सुरेश का नाम लिए बिना कहा कि इस बयान को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह भारत के संविधान पर हमला होने के साथ-साथ देश की संप्रभुता और अखंडता का अपमान है। उन्होंने कहा, यह बयान उस दिन दिया गया जब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लोकसभा में अंतरिम बजट पेश कर रही थीं। गौरतलब है कि डीके सुरेश ने कथित तौर पर कहा था कि दक्षिण भारतीय राज्यों को केंद्र से उनका वाजिब बकाया नहीं मिल रहा है। इन राज्यों से वसूला जा रहा टैक्स उत्तर में वितरित किया जा रहा है। कांग्रेस सांसद सुरेश ने कथित तौर पर कहा कि अगर यह नाइंसाफी बंद नहीं हुई तो दक्षिणी राज्य एक अलग राष्ट्र की मांग करने पर मजबूर हो जाएंगे।

सुरेश को सदन में बने रहने का हक नहीं: प्रसाद

पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने सुरेश की टिप्पणी पर कहा, 'अलग देश' जैसा विवादित बयान देने के बाद उन्हें एक मिनट भी सांसद बने रहने का हक नहीं है। उन्होंने कांग्रेस की विचारधारा पर सवाल खड़ करते हुए कहा, राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा निकाल रहे हैं। उनके सांसद भारत को बांटने की बात कर रहे हैं। इससे पार्टी की आंतरिक स्थिति साफ होती है।

रामलला के 11 को दर्शन करेगी यूपी कैबिनेट

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी पूरी कैबिनेट 11 फरवरी को रामलला के दर्शन करेगी। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना समेत विभिन्न दलों के विधायक भी मौजूद रहेंगे। पूर्व में सीएम योगी ने एक फरवरी को कैबिनेट के साथ दर्शन करने की घोषणा की थी। हालांकि अयोध्या में रोजाना दर्शन के लिए देश भर से उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए इसे स्थगित कर दिया गया था। अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्त ने बताया कि अब कैबिनेट और विधानसभा के ज्यादातर सदस्य 11 को दर्शन करने के लिए आएंगे। दर्शन के बाद सभी विशिष्टजनों को अयोध्या में भोज भी दिया जाएगा।

गुजरात: 3.32 लाख करोड़ के बजट में नया कर नहीं

गांधीनगर। गुजरात में भाजपा सरकार ने शुक्रवार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 3.32 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया। इसमें किसी नए कर का प्रस्ताव नहीं है। वित्त मंत्री कनुभाई देसाई ने बजट में लड़कियों की शिक्षा, महिलाओं, गरीबों, युवाओं तथा किसानों पर लक्षित कई परियोजनाओं तथा योजनाओं की घोषणा की। देसाई ने सदन को बताया कि कुल परिव्यय में से करीब 2.14 लाख करोड़ या 64.43 प्रतिशत 'विकासात्मक व्यय' के लिए आवंटित किया गया है, जबकि 83,000 करोड़ रुपए या 25.1 प्रतिशत गैर-विकासात्मक व्यय में जाएगा।

UCC पर विशेषज्ञ समिति ने धामी को सौंपी रिपोर्ट

जनजातियों को यूसीसी के दायरे से बाहर रखा जाएगा

एजेंसी | देहरादून

उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के लिए गठित विशेषज्ञ समिति ने मसौदा रिपोर्ट शुक्रवार को राज्य सरकार को सौंप दी है। 800 पन्नों की की रिपोर्ट में कई अहम सिफारिश की गई है। रिपोर्ट में राज्य के जनजातीय समाज को समान नागरिक संहिता के दायरे से बाहर रखने की सिफारिश की गई है।

इसके पीछे बेहद कम जनसंख्या वाले जनजातीय समाज की संस्कृति और परपंराओं को सुरक्षित रखने के साथ ही उनके संरक्षण को उठाए जा रहे कदमों का उल्लेख किया गया है। राज्य में कुल 5 अधिसूचित जनजाति हैं जिनमें भोटिया, बुकसा, जौनसारी, राजी और थारू शामिल हैं। इनकी अधिकतर आबादी चार जिलों ऊधमपसिंह नगर, देहरादून, पिथौड़ागढ़ और चमोली में हैं।

समझा जाता है कि रिपोर्ट में सभी धर्मों की महिलाओं के लिए पैतृक संपत्ति में समान अधिकार, शादी और तलाक के लिए एक जैसे नियम, बहुविवाह पर रोक जैसे प्रावधान करने की सिफारिश की गई है। रिपोर्ट को अब विधानसभा में पेश किया जाएगा। विधानसभा में पारित होने व राज्यपाल की मंजूरी मिलने के बाद इसे प्रदेश में लागू किया जा सकेगा। राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रिपोर्ट मिलने पर खुशी व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि वह राज्य में सबको समान अधिकार प्रदान करने के लिए सदैव संकल्पित हैं।।

उत्तराखंड सरकार ने मई 2022 में सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना देसाई के नेतृत्व में विशेषज्ञों की एक समिति गठित की थी। इस समिति को उत्तराखंड के निवासियों के व्यक्तिगत नागरिक मामलों को विनियमित करने वाले विभिन्न मौजूदा कानूनों की जांच करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके साथ ही इसे विवाह, तलाक, संपत्ति के अधिकार, उत्तराधिकार, विरासत, गोद लेने, रखरखाव जैसे विषयों पर मसौदा कानून या कानूनों को तैयार करना या मौजूदा कानूनों में बदलाव का सुझाव देने का काम भी सौंपा गया था।

महिलाओं के विवाह की आयु बढ़ाने की सिफारिश

रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि महिलाओं के लिए विवाह की आयु बढ़ाकर 21 वर्ष की जाएगी और विवाह पंजीकरण अनिवार्य किया जाएगा। जो व्यक्ति अपनी शादी का पंजीकरण नहीं कराएंगे वे सरकारी सुविधाओं के लिए आवेदन नहीं कर सकेंगे।

माता-पिता को देनी होगी जानकारी

लिव-इन जोड़ों को अपने फैसले के बारे में अपने माता-पिता को सूचित करना होगा और 'हलाला' और 'इद्दत' की प्रथा बंद कर दी जाएगी। बहुविवाह (एक से अधिक पत्नियां रखने की प्रथा) भी गैरकानूनी होगा। पति-पत्नी को तलाक लेने का समान हक दिया जाएगा। मसौदे में जनसंख्या नियंत्रण को लेकर भी सिफारिश की गई है।

लैंगिक समानता सुनिश्चित करने पर जोर

यूसीसी समिति की अध्यक्ष देसाई ने शुक्रवार को कहा, हमारा जोर महिलाओं, बच्चों और दिव्यांग व्यक्तियों को ध्यान में रखते हुए लैंगिक समानता सुनिश्चित करना है। हमने मनमानी और भेदभाव को खत्म कर सभी को एक समान स्तर पर लाने का प्रयास किया है। समिति ने मुस्लिम देशों सहित विभिन्न देशों में मौजूदा कानूनों का अध्ययन किया है। उन्होंने कहा, हमने सब कुछ देखा है, पर्सनल लॉ का अध्ययन किया है। हमने विधि आयोग की रिपोर्ट का भी अध्ययन किया है।

झारखंड में लोकतंत्र बच गया: राहुल

पाकुड़। कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पार्टी नेता राहुल गांधी की अगुवाई में शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के गोकर्ण से प्रारंभ होकर झारखंड के पाकुड़ जिले में पहुंची।

मुख्यमंत्री चंपई सोरेन शपथ ग्रहण के कुछ ही घंटे बाद न्याय यात्रा में शामिल होने पाकुड़ पहुंचे। इस दौरान राहुल गांधी ने एक बार फिर केंद्र सरकार और भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि झारखंड में लोकतंत्र बच गया। सोरेन ने शुक्रवार को ही शपथ ग्रहण की थी।

राहुल गांधी ने कहा कि झारखंड में जनता की ओर से चुनी हुई सरकार को भाजपा ने बहुमत चोरी करने और उखाड़ने की कोशिश की। लेकिन इस साजिश के खिलाफ हम सब खड़े गए। उन्होंने कहा- सीएम चंपई सोरेन निर्वाचित होकर यहां आए हैं। लड़ाई विचारधारा की है। उनके पास धन और एजेंसी हैं। जितना दबाव डालने की कोशिश कर सकते हैं करें, हमें फर्क नहीं पड़ता। हम भाजपा-आरएसएस से डरने वाले नहीं हैं। झारखंड की जनता को बधाई देना चाहता हूं कि आप डरे नहीं, पीछे नहीं हटे, आपने अपनी सरकार बचाई।'

भाजपा की शिकायत पर कार्रवाई...

नोटिस देने पहुंची क्राइम ब्रांच की टीम खाली हाथ लौटी

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर शुक्रवार रात दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच की एक टीम पहुंची थी। क्राइम ब्रांच की टीम एक मामले में नोटिस देने पहुंची थी, लेकिन उन्हें खाली हाथ ही वापस लौटना पड़ा। दरअसल जब टीम सीएम के घर पहुंची थी तब वह घर पर मौजूद नहीं थे। वहीं मुख्यमंत्री आवास से जानकारी मिली है कि पुलिस से अधिकारियों ने नोटिस मांगा लेकिन पुलिस बिना नोटिस दिए ही लौट गई।

पुलिस ने बताया कि टीम सीएम से जांच में सहयोग के लिए गई थी। टीम यह जानना चाहती है कि वे कौन लोग हैं, जो विधायकों की खरीद फरोख्त कर रहे है, ताकि उस पर कार्रवाई की जा सके। आवास पर मुख्यमंत्री के नही मिलने पर पुलिस की टीम लौट आई। पुलिस ने बताया कि इस सम्बंध में जानकारी देने के लिए शनिवार को फिर से पुलिस की टीम मुख्यमंत्री आवास पर जाएगी।

वहीं आम आदमी पार्टी का कहना है कि पुलिस टीम आई थी, सीएम कार्यालय का स्टाफ नोटिस लेने के लिए तैयार था, मगर पुलिस बिना नोटिस दिए लौट गई। उल्लेखनीय है कि केजरीवाल ने गत दिनों आरोप लगाया था कि उनके विधायकों को खरीदने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा था कि भाजपा ने उनके विधायकों को 25-25 करोड़ रुपए की पेशकश की थी और साथ ही पार्टी का टिकट देने का भी लालच दिया है।

इसके बाद भाजपा ने दिल्ली पुलिस में इस मामले में शिकायत दर्ज कराई थी। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में भाजपा के अन्य पदाधिकारी, सांसद व विधायक दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा से मिलकर लिखित शिकायत की। उन्होंने मुख्यमंत्री व कुछ अन्य नेताओं पर पर झूठ बोलने का आरोप लगाकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

अबकी बार 400 के पार के नारे पर चला तीर

भाजपा के चुनावी नारे पर खरगे का तंज, हंस पड़े पीएम मोदी

एजेंसी | नई दिल्ली

संसद के बजट सत्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान शुक्रवार को ऐसे पल भी आए जब सत्ताधारी पक्ष ठहाके लगाकर हंसने लगा। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सत्तारूढ़ भाजपा के चुनावी नारे 'अबकी बार 400 पार' का जिक्र करते हुए मजाकिया अंदाज में टिप्पणी की कि इस बार भाजपा आगामी लोकसभा चुनाव में 400 सीटों का आंकड़ा पार करने की ओर अग्रसर है। राज्यसभा के इस दुर्लभ घटनाक्रम पर भाजपा ने वीडियो अपने आधिकारिक सोशल मीडिया- एक्स के हैंडल पर शेयर किया। भाजपा ने खरगे के संबोधन की क्लिप शेयर कर लिखा कि पीएम मोदी की प्रतिक्रिया ऐसी है मानो वे कहना चाहते हों कि 'उन्हें घृणा करने वाले नए लोग चाहिए, नफरत करने वाले पुराने लोग फैन बन चुके हैं।राज्यसभा में खरगे के वक्तव्य के दौरान पीएम मोदी और सदन के नेता पीयूष गोयल समेत सत्ता पक्ष के अधिकांश सांसद अपनी सीटों पर मौजूद थे। खरगे की टिप्पणी को सुनते ही पीएम नरेंद्र मोदी और बाकी भाजपा सांसद हंस पड़े। खरगे ने कहा, 'उन्हें पहला स्थान हासिल करने दीजिए। जो लोग यहां ताली बजा रहे हैं, वे पीएम मोदी की 'कृपा' (आशीर्वाद) पाकर यहां आए हैं।जैसे ही खरगे का बयान वायरल होने लगा उन्होंने पहले वाले बयान का खुद ही खंडन भी किया। उन्होंने दावा किया कि आगामी लोकसभा चुनावों में भाजपा 100 सीटों से भी आगे नहीं बढ़ सकेगी।

हिमाचल: 6 मंत्रियों के विभाग बदले

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने एक बार फिर अपने मंत्रियों के विभागों में फेरबदल किया है। सरकार में शामिल किए दो नए बने मंत्रियों को विभागों का बंटवारा करने के बाद जिन तीन मंत्रियों से विभाग वापस लिए गए थे, उन तीनों मंत्रियों को मुख्यमंत्री ने नए विभाग का अतिरिक्त दायित्व सौंपा है। इस तरह मुख्यमंत्री ने कुल मिलाकर 6 मंत्रियों के विभागों में फेरबदल किया।लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह को अब शहरी विकास विभाग का अतिरिक्त जिम्मा भी सौंपा गया है। इससे पहले उनसे युवा सेवाएं एवं खेल विभाग वापस लिया गया था। सीएम सुक्खू के पास विभाग पूर्ववत ही हैं।

तमिल सुपर स्टार विजय ने शुरू की राजनीतिक पारी

नई पार्टी TVK का गठन, विस चुनाव लड़ने का किया निश्चय

एजेंसी | नई दिल्ली

तमिल फिल्मों के सुपरस्टार विजय ने अपनी नई पार्टी बनाने की घोषणा की है। उनकी पार्टी का नाम तमिझा वेत्री कड़गम (टीवीके) होगा। तमिझागा वेत्री कषगम का शाब्दिक अर्थक 'तमिलनाडु विजय पार्टी' है। पार्टी 2026 में तमिलनाडु में होने वाले विधानसभा चुनाव में चुनावी मैदान में उतरेगी है। पर विजय ने कहा कि उनकी पार्टी लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेगी। साथ ही उन्होंने कहा, टीवीके किसी का समर्थन नहीं करेगा। इसका निर्णय हाल ही में आयोजित सामान्य परिषद और कार्यकारी परिषद की बैठकों में निर्णय लिया गया है। विजय की इस घोषणा के बाद उनके प्रशंसकों ने जश्न मनाना शुरू कर दिया। कुछ समय से अटकलें लगाई जा रही थीं कि अभिनेता राजनीति में कदम रख सकते हैं। तमिलनाडु में अतीत में कई लोग अभिनय की दुनिया से राजनीति में कदम रख चुके हैं। इनमें सबसे प्रमुख एम.जी. रामचंद्रन और जे. जयललिता हैं। विजय ने कहा, मैंने पार्टी के काम को प्रभावित किए बिना उस फिल्म को पूरा करने का फैसला किया है जिसके लिए मैं पहले ही प्रतिबद्ध हूं। उन्होंने कहा कि वह जनसेवा की राजनीति में खुद को झोंक देंगे। उन्होंने कहा, मैं इसे तमिलनाडु के लोगों के प्रति अपना आभार व्यक्त करता हूं।

ममता बनर्जी ने फिर दिखाए तेवर

मुझे संदेह है कांग्रेस 300 में से 40 सीटें भी जीत पाएगी या नहीं: ममता

■ कांग्रेस को दी वाराणसी में भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ने की चुनौती

एजेंसी | कोलकाता

इस वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर विपक्षी गठबंधन इंडिया की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। सीटों के बंटवारे को लेकर गठबंधन में कई राज्यों खासकर पश्चिम बंगाल में रार की स्थिति बनी हुई है। राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस व कांग्रेस में सहमति नहीं बन पा रही है। ममता बनर्जी ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि मुझे समझ नहीं आता कि कांग्रेस पार्टी को इतना अहंकार किस बात का है।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ममता ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि कांग्रेस 300 में से 40 सीट भी जीत पाएंगी या नहीं। कांग्रेस पार्टी पहले जहां-जहां जीतती थी, अब वहां भी हारती जा रही है।

अगर कांग्रेस में हिम्मत है तो वह बनारस में भाजपा को हराकर दिखाए। ज्ञात रहे कि इससे पहले सीटों के बंटवारे को लेकर जारी विवाद के बीच ममता बनर्जी ने राज्य की सभी 42 सीटों पर तृणमूल कांग्रेस के अकेले चुनाव लड़ने की बात कही थी।

इससे दोनों पार्टियों के बीच विवाद बढ़ गया था। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार ममता बनर्जी ने कहा, मैं उन्हें(कांग्रेस) दो सीटों की पेशकश कर रही थी और उन्हें जीतने देती। लेकिन वे और अधिक चाहते थे। मैंने कहा ठीक है, फिर सभी 42 पर चुनाव लड़ो। इसके बाद उन्हें मना कर दिया। तब से उनके साथ कोई बातचीत नहीं हुई है।

क्या है विवाद की जड़

दरअसल, कांग्रेस लोकसभा चुनाव के लिए बंगाल में 10 से 12 सीटों की मांग कर रही है, जबकि तृणमूल कांग्रेस केवल दो सीटें देने पर अड़ी है। यह वे सीटें हैं जिन्हें कांग्रेस ने साल 2019 के लोकसभा चुनाव में जीता था। कांग्रेस के अलावा बंगाल में वाम दल भी विपक्षी गठबंधन इंडिया में शामिल हैं। ममता वाम दलों को कोई सीट नहीं देना चाहती हैं।

राहुल की यात्रा बंगाल में आई और मुझे बताया तक नहीं

राहुल गांधी के नेतृत्व वाली भारत जोड़ो न्याय यात्रा को लेकर ममता ने कहा कि आप बंगाल आए मगर मुझे बताया भी नहीं। हम इंडिया गठबंधन में सहयोगी हैं और मुझे अपने पार्टी के नेताओं से इस बारे में पता चला। अगर आपमें हिम्मत है तो वाराणसी में भाजपा को हराकर दिखाइए, आप उन जगहों पर भी हार गए, जहां पहले जीतते थे। ममता ने कहा कि राहुल गांधी को बीड़ी श्रमिकों के साथ बातचीत करते देखा गया। उन्होंने कहा, अब यह कोई नया स्टाइल चल पड़ा है... फोटोशूट कराने का। जो लोग कभी चाय की दुकान पर भी नहीं गए, अब वे बीड़ी श्रमिकों के साथ बैठने का दिखावा कर रहे हैं। ये सभी प्रवासी पक्षी की तरह हैं। मालूम हो कि कांग्रेस के ऑफिशियल एक्स हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया गया था। जिसमें राहुल गांधी तंबाकू विक्रेताओं के साथ बैठकर बातें करते नजर आ रहे हैं, जहां कई महिलाएं भी थीं। इस दौरान कांग्रेस नेता उनसे उनकी आमदनी और व्यापार के बारे में जानकारी ले रहे थे। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस पश्चिम बंगाल के अलावा पंजाब में भी सीटों के बंटवारे को लेकर आम आदमी पार्टी के साथ तालमेल पर निर्णायक नतीजे पर नहीं पहुंच सकी है। आम आदमी पार्टी पंजाब की सभी सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। वहीं उत्तर प्रदेश में भी अभी तक कुछ सीटों को लेकर कांग्रेस व सपा की अवधारणा में समानता नहीं बन पाई है।

जरूरी खबर

नौसेना में आज शामिल होगा सर्वे पोत संध्याक

नई दिल्ली। सर्वेक्षण पोत संध्याक शनिवार को भारतीय नौसेना में शामिल होगा। इससे रणनीतिक जलमार्गों पर नौसेना का निगरानी तंत्र को और मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार और नौसेना की पूर्वी कमान के फ्लैग ऑफिसर वाइस एडमिरल राजेश पेंढारकर मौजूद रहेंगे। संध्याक को चार दिसंबर को नौसेना को सौंपा गया था। यह गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स, कोलकाता में बनाए जा रहे चार सर्वेक्षण पोत में से पहला पोत है।

हर्ष मंदर के आवास व कार्यालय पर सीबीआई का छापा

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने पूर्व आईएएस अधिकारी व सामाजिक कार्यकर्ता हर्ष मंदर के आवास और कार्यालय पर छापेमारी की। हर्ष की एक संस्था को विदेशी फंड मिलने का आरोप लगा है। सीबीआई ने हर्ष मंदर के एनजीओ के खिलाफ विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। 2021 में प्रवर्तन निदेशालय ने हर्ष मंदिर के एनजीओ से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच शुरू की थी। उस वक्त भी उनके आवास पर छापा मारा गया था। 2023 में गृह मंत्रालय ने हर्ष मंदर के एनजीओ के खिलाफ सीबीआई जांच की सिफारिश की थी।

मणिपुर: संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान जारी

इम्फाल। मणिपुर में हिंसक घटनाओं के बीच सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को राज्य के पहाड़ी और घाटी के जिलों के संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान चलाया है और हथियार जब्त किए हैं। मणिपुर पुलिस ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि कहा कि एनएच-37 और एनएच-2 पर आवश्यक वस्तुओं के साथ क्रमशः 194 और 216 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। सुरक्षा बलों ने देशी 9एमएम पिस्टल व मैगजीन सहित अन्य हथियार जब्त किए हैं। पुलिस ने कहा कि सभी संवेदनशील स्थानों पर सख्त सुरक्षा उपाय किए गए हैं। पहाड़ी और घाटी दोनों जिलों में कुल 141 नाके/चेकपॉइंट लगाए गए थे।

सूरजकुंड में हस्तशिल्पियों का महाकुंभ शुरू

सूरजकुंड। हरियाणा के सूरजकुंड में देश-विदेश के हस्तशिल्पियों का महाकुंभ शुक्रवार को शुरू हुआ। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 37वें अंतरराष्ट्रीय हस्तशिल्प मेले का उद्घाटन किया। लोक कलाकारों ने ने इस अवसर पर रंगारंग प्रस्तुति दी।

ईडी की महाराष्ट्र-MP में 11 ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली। धनशोधन यानी मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के 11 जगहों पर छापेमारी की। यूको बैंक कन्सॉर्टियम के साथ लगभग 110 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के इस मामले में ईडी के अधिकारियों ने एक साथ तलाशी अभियान शुरू किया। ईडी के अधिकारियों ने मध्य प्रदेश की एक एड कंपनी और उसके निदेशकों के खिलाफ 11 परिसरों में तलाशी ली। इस कंपनी पर यूको बैंक-एल एड के साथ 109.87 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की थी। तलाशी के दौरान दोनों राज्यों के 11 ठिकानों से आपत्तिजनक दस्तावेज, बैंक खातों से जुड़े रिकॉर्ड और अचल/चल संपत्तियों का विवरण भी जब्त किया है।

भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो का किया उद्घाटन

भारत 2047 तक विकसित देश बनने की राह पर: पीएम मोदी

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि आज का भारत 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने के लिए आगे बढ़ रहा है और इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए मोबिलिटी सेक्टर अहम भूमिका निभाने जा रहा है। देश के मोबिलिटी सेक्टर के लिए गोल्डन पीरियड भी शुरू हो गया है। देश की अर्थव्यवस्था काफी तेजी से बढ़ रही है। हमारे कार्यकाल में भारत का तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना तय है।

पीएम मोदी ने शुक्रवार को दिल्ली के प्रगति मैदान में भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2024 के उद्घाटन के दौरान अपने संबोधन में यह बात कही। इस अवसर पर पीएम मोदी ने कई उद्योगतियों से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा, मैंने लाल किला की प्राचीर से कहा था कि यही समय, सही समय है। ये शब्द मैंने देश के लोगों की क्षमता को देखते हुए कहे थे। हमारी सरकार के प्रयासों से पिछले 10 वर्षों में करीब 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। आज का भारत भविष्य की नीतियों को ध्यान में रखते हुए नई नीतियां बना रहा है और इसमें निश्चित तौर पर मोबिलिटी सेक्टर के लिए विशेष जगह है। गुरुवार जो बजट पेश हुआ है, आप उसमें भी इसका विजन देख रहे होंगे।

मध्यम वर्ग की बढ़ रही है आय, हम कर रहे इंजीनियरिंग चमत्कार

पीएम मोदी ने कहा, आज भारत में बड़ी संख्या में नियो मध्यम वर्ग ल बना है। जिसकी अपनी आशा है, अपनी आकांक्षाएं हैं। दूसरी ओर, आज भारत में मध्यम वर्ग का दायरा भी तेजी से बढ़ रहा है। मध्यम वर्ग की इनकम भी बढ़ रही है उन्होंने कहा कि साल 2014 के पहले दस सालों में 12 करोड़ के आसपास गाड़ियों की बिक्री हुई थी। जबकि, 2014 के बाद से देश में अब तक 21 करोड़ से ज्यादा गाड़ियों की बिक्री हो चुकी है। 10 साल पहले भारत में साल भर में 2000 तक इलेक्ट्रिक गाड़ियां बिक रही थी। वहीं, अब हर साल करीब 12 लाख इलेक्ट्रिक गाड़ियां बिक रही हैं। पिछले 10 साल में पैसेंजर्स गाड़ियों की बिक्री में 60 फीसदी की बढोतरी हुई है। इसके साथ ही टू व्हीलर्स की बिक्री में भी 70 प्रतिशत तक का इजाफा हुआ है। हम समुद्र और पहाड़ों को चुनौती देते हुए एक के बाद एक इंजीनियरिंग चमत्कार कर रहे हैं। वो भी रिकॉर्ड समय में। अटल टनल से लेकर अटल सेतु तक भारत का ढांचागत विकास के नए रिकॉर्ड बना रहा है। पीएम मोदी एक्सपो में लगे स्टॉल्स पर पहुंचे और पेश की गई गाड़ियों का जायजा लिया।

ज्ञानवापी मामला: अगली सुनवाई 6 को

पूजा पर रोक लगाने से हाईकोर्ट का इनकार

एजेंसी | इलाहबाद

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शुक्रवार को वाराणसी जिला अदालत के फैसले पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया,जिसने श्रद्धालुओं को ज्ञानवापी मस्जिद के दक्षिणी तहखाने के भीतर प्रार्थना करने की अनुमति दी थी। अब इस मामले में अगली सुनवाई 6 फरवरी को होनी है। ज्ञानवापी मस्जिद का प्रबंधन करने वाली अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद कमेटी ने जिला अदालत के फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। अपील में दलील दी गई कि यह फैसला पूजा स्थल अधिनियम, 1991 के तहत सही नहीं है। अपील में यह भी आरोप लगाया गया कि इस वाद को दायर करने का मुख्य उद्देश्य ज्ञानवापी मस्जिद के संचालन को लेकर कृत्रिम विवाद पैदा करने का प्रयास है, जहां नियमित रूप से नमाज अदा की जाती है।

सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे: इस बीच, जमीयत-उलेमा-ए-हिंद के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि वे मामले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि अदालत का फैसला पूरी तरह गलत है। हमारा पक्ष सुना ही नहीं गया। शुक्रवार को दिल्ली में जमीअत उलमा ए हिन्द कार्यालय में मुस्लिम पक्ष की बैठक हुई। बैठक के बाद ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी ने कहा कि कोर्ट में हमें अपनी बात तक रखने का मौका नहीं दिया गया। जिस तरह से तहखाने में पूजा शुरू करवा दी गई वह प्रशासन के कार्य पर सवाल उठाता है। अदालत ने प्रशासन को इस काम के लिए सात दिन का समय दिया था।

भारत-मालदीव कोर ग्रुप की नई दिल्ली में बैठक

भारतीय सैनिकों की वापसी पर हुई चर्चा

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत और मालदीव के बीच तनावपूर्ण संबंधों के बीच दोनों देशों ने शुक्रवार को दूसरे दौर की बातचीत की। माले हिंद महासागर द्वीपसमूह से सभी भारतीय सैन्य कर्मियों की वापसी की मांग कर रहा हैद्ध इससे पहले 14 जनवरी को इस मामले पर पहले दौर की बातचीत हो चुकी है।

दोनों देशों की ओर से गठित उच्च स्तरीय कोर ग्रुप की माले में पहली बैठक के दौरान मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने भारत से 15 मार्च तक सैन्य कर्मियों को वापस बुलाने के लिए कहा था।

उस समय, मालदीव ने एक बयान में कहा था कि दोनों पक्ष कर्मियों की वापसी में तेजी लाने पर सहमत हुए हैं, लेकिन भारतीय पक्ष ने कहा था कि इस मुद्दे पर और चर्चा की जाएगी। नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय में हुई कोर ग्रुप की बैठक में फिलहाल किसी भी पक्ष की ओर से कोई बयान नहीं आया है। हालांकि मामले के जानकार लोगों ने बताया कि इस मामले पर दोनों पक्षों के बीच मतभेद बने हुए हैं।

मालदीव का कहना है कि दोनों पक्ष इस मुद्दे के समाधान के लिए कई विकल्पों पर विचार कर रहे हैं, जिसमें सैन्य कर्मियों की संख्या में कमी भी शामिल है। दुबई में सीओपी 28 बैठक के इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू के बीच एक बैठक के बाद कोर ग्रुप का गठन किया गया था।

मुइज्जू की मांग सैन्य कर्मी हटाए जाएं

पिछले साल राष्ट्रपति चुनाव के दौरान इंडिया आउट का अभियान चलाने वाले मुइज्जू ने भारत से मालदीव में तैनात 75 से अधिक सैन्य कर्मियों को वापस बुलाने का आह्वान किया है। उन्होंने तुर्की से गेहूं खरीद के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं और चिकित्सा निकासी सेवाओं के लिए मालदीव सरकार श्रीलंका से मदद मांग रही है। इसके अलावा भारत से संबंध खराब होने के बाद उन्होंने चीन से ज्यादा से ज्यादा संख्या में टूरिस्ट भेजने की भी अपील की है।

उत्तराखंड में बर्फबारी

देहरादून। उत्तराखंड में कई जगह बर्फबारी के बाद बंद हुए गंगोत्री राजमार्ग व अन्य स्थानों से बर्फ हटाने का काम चल रहा है। बर्फबारी के कारण बंद हुए यमुनोत्री हाईवे पर आवागमन शुरू हो गया है। एनएच की टीम ने मशक्कत कर शुक्रवार को हाईवे को खोल दिया। बीते दो दिन हुई बारिश-बर्फबारी से गंगोत्री व यमुनोत्री हाईवे सहित कई मोटरमार्ग जगह-जगह बंद हो गए थे।

केंद्र सरकार का अहम फैसला

जिबूती से लेकर सोमालिया तक तैनात होगी नौसेना

एजेंसी | नई दिल्ली

मालवाहक जहाजों पर होने वाले हमले को रोकने और समुद्री लुटेरों पर लगाम को लेकर केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया। रक्षा मंत्रालय ने जिबूती से लेकर अदन की खाड़ी और सोमालिया तक भारतीय नौसेना की तैनाती की योजना बनाई है।

रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया। इसमें मालवाहक जहाजों के संरक्षण के लिए भारतीय नौसेना की यूनिट्स को जिबूती, अदन की खाड़ी, सोमालिया के पूर्वी तट के साथ ही उत्तर और मध्य अरब

सागर में भी तैनात किया जा रहा है रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित जवाब में ये जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि नौसेना ने अदन की खाड़ी और अफ्रीका के पूर्वी तटीय क्षेत्र में जलदस्यु रोधी गश्ती के लिए 2008 से अपनी यूनिट्स को तैनात किया था। कुल 3,440 जहाजों और 25 हजार से अधिक नाविकों को सुरक्षा प्रदान की गई। लाल सागर में नवंबर महीने से ईरान समर्थित हूती उग्रवादियों ने अनेक मालवाहक जहाजों पर हमले किए थे।

इसको लेकर वैश्विक चिंताएं बढ़ रही हैं। भट्ट ने कहा कि नौसेना हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए लगातार काम कर रही। इसमें क्षेत्रीय और इलाके से अलग नौसेनाओं और समुद्री जवानों के साथ सक्रियता से काम कर रही है।

इसलिए किया फैसला

माना जाता है कि गाजा में इजराइल के सैन्य हमलों के जवाब में हूती विद्रोहियों द्वारा मालवाहक जहाजों पर हमले किए जा रहे हैं। रक्षा राज्य मंत्री ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि नौसेना हमलों में शामिल सूत्रों और भागीदारों की पहचान करने के लिए सहयोगी देशों के साथ सूचना साझा कर रही है। भारतीय नौसेना ने पिछले कुछ सप्ताह के दौरान अरब सागर में कई मालवाहक पोतों पर हमलों के बाद उन्हें सहायता प्रदान की है।

युद्धपोतों पर महिला कर्मियों की नियुक्ति

सरकार ने शुक्रवार को लोकसभा में कहा कि महिला कर्मियों को युद्धपोतों पर नियुक्त किया जा रहा है। इसके साथ ही नौसेना में विशेष नौसेना वायु संचालन अधिकारी के रूप में महिलाओं की नियुक्ति हो रही है। हालांकि इस बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी गई है। रक्षा राज्य मंत्री ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि महिला अधिकारियों को मेडिकल और डेंटल कोर के साथ-साथ सैन्य नर्सिंग सेवा के अलावा सेना की 12 शाखाओं और सेवाओं में स्थायी कमीशन दिया जा रहा है।

एएमयू: अल्पसंख्यक दर्जे का मामला

सुनवाई के बाद SC ने फैसला सुरक्षित रखा

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के अल्पसंख्यक दर्जे के मामले में प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाली सात सदस्यीय संविधान पीठ ने आठ दिन तक सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

शीर्ष अदालत ने कहा कि एएमयू अधिनियम में किया गया 1981 का संशोधन 'आधे-अधूरे मन' से किया गया था और यह संस्थान की 1951 से पहले की स्थिति बहाल नहीं करता है। एएमयू अधिनियम में 1981 में किए गए संशोधन ने ही प्रभावी रूप से इसे अल्पसंख्यक संस्थान का दर्जा दिया था। संस्थान की स्थापना 1875 में प्रमुख मुस्लिम समुदाय के सदस्यों द्वारा मुहम्मदन एंग्लो-ओरिएंटल कॉलेज के रूप में की गई थी. कई वर्षों के बाद 1920 में, यह ब्रिटिश शासनकाल के दौरान एक विश्वविद्यालय में तब्दील हो गया(सीजेआई ने विभिन्न पक्षों की दलीलों पर सुनवाई पूरी करने के बाद कहा, एक बात जो हमें चिंतित कर रही है वह यह है कि 1981 का संशोधन उस स्थिति को बहाल नहीं करता है जो 1951 से पहले थी। दूसरे शब्दों में, 1981 का संशोधन आधे-अधूरे मन से किया गया काम प्रतीत होता है।

जयपुर म्यूजिक स्टेज में लाइव परफॉर्मेंस को जयपुराइट्स ने किया एंजॉय

शब्द धुनों में घुले तो सुरमयी हो गई शाम

बेधड़क.जयपुर। जयपुर म्यूजिक स्टेज में म्यूजिक फेस्टिवल के दौरान शाम संगीतमय हो गई। लाइव परफॉर्में को हर किसी ने अपने-अपने अंदाज में एंजॉय किया। जहां पहले दिन द तापी प्रोजेक्ट ने फोक, जैज और रॉक को मिलाकर संगीत की भिन्न शैलियों को प्रस्तुत किया, वहीं दूसरे दिन भी स्टेंडिंग लाइव परफॉर्मेंस ने दिल जीत लिया। विरासत को बरकरार रखते हुए फेस्टिवल संगीत शैलियों की एक विविध श्रृंखला प्रस्तुत करने के लिए भी है, जिसमें स्थापित और उभरती दोनों तरह की प्रतिभाएं शामिल हो रही हैं।

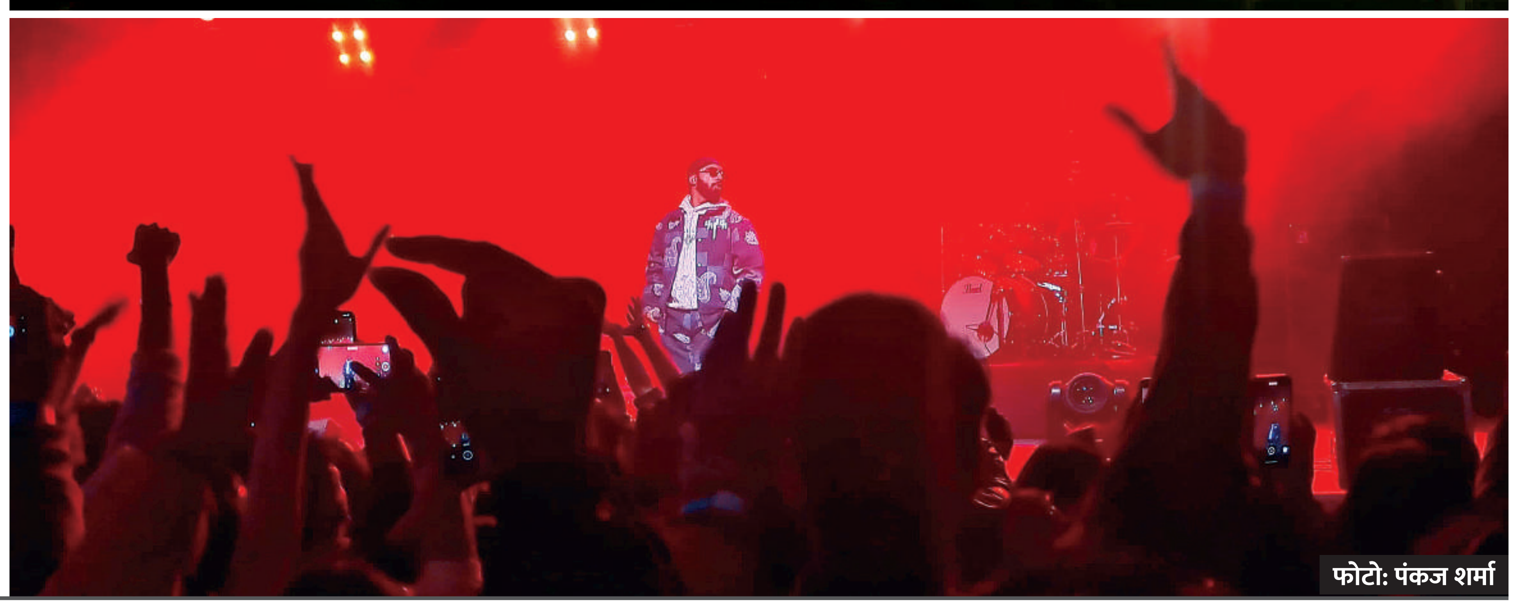

फोटो: पंकज शर्मा

कथक, भरतनाट्यम का चला जादू

बेधड़क. जयपुर। हरे कृष्ण मूवमेंट के कल्चरल कार्निवाल हेरिटेज फेस्ट में हजारों बच्चों ने प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों को अपनी संस्कृति से जोड़ने के मोटिव के साथ हुए फेस्ट के आखिरी दिन शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिताएं हुईं, जिसमें बच्चों ने कथक, ओडीसी, भरतनाट्यम, मोहिनियट्टम, मणिपुरी, कुचिपुड़ी, कथकली और सात्रिया परफॉर्म किया। पुराण, रामायण और महाभारत थीम पर हुई परफॉर्मेंस में की खास बात रही कि समरोह में न्यूजीलैंड से भी मेहमान आए। निर्णायक मंडल में कथक नृत्यांगना मनीषा गुल्यानी, मंजरी किरण, तरुणा व्यास और निकिता मुद्गल शामिल रहीं। मंदिर अध्यक्ष अमितासन ने बच्चों के शास्त्रीय नृत्य की कला को सराहा और उन्हें जीवन में आगे बढ़ने का आशीर्वाद दिया। विजेताओं को सात अप्रैल को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

जेएएफ में विशेषज्ञों ने रखे विचार

बेधड़क. जयपुर। इंडिया स्टोनमार्ट-2024 में जयपुर आर्किटेक्चर फेस्टिवल (जेएएफ) के 5वें संस्करण की शुरुआत हुई। इस दौरान बांग्लादेश के प्रमुख आर्किटेक्ट एमडी इस्तिहाक मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने कहा कि हमें अपने प्रोजेक्ट्स में प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन को इस तरह से सुविधाजनक बनाना चाहिए जो शहरी पारिस्थितिकी तंत्र और पर्यावरण की रक्षा और सुधार करे। ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन और वायु प्रदूषण को कम करे और पारिस्थितिकी तंत्र आधारित समाधानों को बढ़ावा दे। तुषार सोगानी ने कहा कि राजस्थान पत्थरों की भूमि है। दूसरी ओर राजस्थान के विभिन्न स्थानों से आए पत्थर के कारीगरों ने शिल्पग्राम में पत्थर से बनी कलाकृतियों को प्रदर्शित किया है।

सनातन थीम पर किया गेट-टू-गेदर

बेधड़क. जयपुर। जहां हर जगह सनातन की जय जय कार हो रही है वहीं शहर की लेडीज ने सनातन थीम पर बैठक का आयोजन किया। फाउंडर मेघा गुप्ता ने बताया, कि हम सभी ने सीखा, कि कैसे ये साल इमोशनल कनेक्ट बेस्ड होगा तो इसी थीम को आगे बढ़ाते हुए इमोशनल कनेक्ट कराना सिखाया गया। वैशाली मोदी ने बताया, कि कैसे हम नेटवर्किंग एंड गेम्स से ऑडियंस तक पहुंच सकते हैं। वहीं इमेज कोच अनन्या बार्डिया ने बात करने का तरीका बताया। प्राची खंडेलवाल, मेघा कोटवाला, राशि गाड़िया, कीर्ति जैन, डॉ. ज्योति थगरिया, ऋचा खंडेलवाल, श्वेता मित्तल, राधिका खूंटेटा, साक्षी मेहता, डॉ. तस्या रक्षिता, हिमानी, मीनाक्षी पाबुवल, रीना अग्रवाल आदि ने हिस्सा लिया।

City इवेंट्स

पोस्टर मेकिंग और डांस में दिखा हुनर

बेधड़क. जयपुर। इंटरनेशनल सोसायटी फॉर लाइफ साइंसेज (आईएसएलएस), आरयू के ईसीएच इन्क्यूबेशन सेंटर की ओर से जयपुर न्यूट्री फेस्ट में पोस्टर मेकिंग कॉम्पिटिशन से पौष्टिक आहार का महत्व समझाया और आर्गेनिक फूड अपनाने का संदेश दिया। डांस कॉम्पिटिशन में विभिन्न प्रदेशों की संस्कृति भी दिखाई दी। मेले में इनोवेटिव स्टार्टअप्स देखने को मिल रहे हैं।

कल्चरल प्रोग्राम के बीच चौके-छक्के

बेधड़क. जयपुर। जयपुर फिजियोथेरेपिस्ट नेटवर्क ने फिजियोथेरेपी क्रिकेट लीग की शुरुआत की। इस मौके पर विधायक बालमुकुंदाचार्य ने उत्साह बढ़ाया और प्लेयर्स से मुलाकात की। उन्होंने कहा, कि सभी क्षेत्रों के साथ खेल का क्षेत्र आगे बढ़ रहा है। देश की बेटी किसी से कम नहीं है। युवा शक्तियों में सबसे आगे नारी शक्ति है। वहीं आयोजन में आए चिकित्सकों ने कहा, कि यह एक त्योहार है। सहभागिता की वजह से ये वर्षों से चला आ रहा है। क्रिकेट के अलावा कल्चरल प्रोग्राम भी आयोजन किए गए। दूसरी ओर 8 मैच हुए।

हजार प्लेयर्स कुश्ती में दिखाएंगे दम

बेधड़क. जयपुर। उत्तर-पश्चिम रेलवे की मेजबानी में पहली बार सीनियर राष्ट्रीय कुश्ती चैम्पियनशिप का आयोजन गणपति नगर क्रिकेट ग्राउण्ड में हो रहा है। चैम्पियनशिप में देश के विभिन्न प्रांतों की 28 टीम के 1000 से अधिक पुरुष और महिला खिलाड़ी दमखम दिखाने आ रहे हैं। ध्यानचंद अवार्ड से सम्मानित व तकनीकी विशेषज्ञ ज्ञान सिंह सहरावत व द्रोणाचार्य अवॉर्ड से सम्मानित प्रतियोगिता के निदेशक कुलदीप सिंह ने बताया कि कुश्ती की 3 तरह की प्रतियोगिता होगी, जिसमें फ्री स्टाइल, ग्रीको रोमन स्टाइल और वुमेन रेसलिंग की 10 अलग-अलग भार वर्ग की प्रतिस्पर्धा खास है। हर भार वर्ग में व्यक्तिगत पुरस्कार में प्रथम 3 स्थान पर रहने वाले खिलाड़ियों को गोल्ड, सिल्वर, ब्रांज मैडल के साथ सर्टिफिकेट दिया जाएगा और हर स्टाइल वर्ग में प्रथम 3 स्थान पर रहने वाली टीम को सीनियर राष्ट्रीय कुश्ती चैम्पियनशिप ट्रॉफी दी जाएगी।

'दौड़ते कदमों का उत्सव' में दौड़ेंगे एक लाख रनर्स

बिब एक्सपो इनॉग्रल सेरेमनी में सम्मानित हुए जयपुर के धावक

बेधड़क | जयपुर

महाराजा कॉलेज प्रिंसिपल ग्राउंड में शुक्रवार को हुए बिब एक्सपो इनॉग्रल सेरेमनी के दौरान मैराथन में भाग लेने वाले रनर्स को बिब डिस्ट्रीब्यूट किए गए। साथ ही विभिन्न कैटेगरी में बेस्ट रनर्स को सम्मानित किया गया।

गौरतलब है कि 4 फरवरी से शुरू होने वाली मैराथन में 100 से ज्यादा संस्थाएं, 200 से अधिक स्कूल-कॉलेज, 100 से ज्यादा फिजिकल चैलेंज्ड, 100 से अधिक दृष्टिबाधित, 100 से अधिक ब्यूरोकेट्स वॉलंटियर्स दौड़ लगाएंगे। 42 किमी मैराथन सुबह 3:15 बजे से शुरू होगी। 21 किमी हाफ मैराथन सुबह 5:30 बजे, 10 किमी मैराथन सुबह 7:15 बजे, 5 किमी मैराथन सुबह 7:20 बजे और 6 किमी की ड्रीम रन सुबह 7:30 बजे अल्बर्ट हॉल के साउथ गेट से रवाना होगी। मैराथन के लिए एंट्री न्यू गेट के सामने रामनिवास बाग से होगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व भजन सम्राट अनूप जलोटा मैराथन का फ्लैग ऑफ करेंगे। मैराथन में भाग लेने वाले रनर्स को चीयर करने के लिए रामायण में सीता का किरदार निभाने वालीं दीपिका चिखलिया, सिया के राम में श्रीराम का किरदार निभाने वाले आशीष शर्मा, भजन सम्राट अनूप जलोटा सहित अन्य सेलिब्रिटी जयपुर आएंगे।

टैगोर की कलादृष्टि पर कला प्रदर्शनी व व्याख्यान

रवींद्रनाथ टैगोर की समग्र कला जन-मन से जुड़ी सौंदर्य सृष्टि

बेधड़क | जयपुर

कीर्ति ने रंगों व लाइट से मानवीय संबंधों को दर्शाया है। नेहाल वर्मा ने नॉन मटेरियल चीजों को एक फॉर्म में दिया है।

शिवानी सिंह ने सामाजिक परिस्थितियों को जीवन शैली पर प्रकाश डाला है तो नरेंद्र ने उन प्रतीक चिन्हों को रंग के जरिए दर्शाया है, जिन्हें मनुष्य वर्षों से पूजता आ रहा है। युवा चित्रकार अमर ने जयपुर के लैंडस्केप पर कलाकृतियां बनाई हैं। ये सब देखने को मिल रहा है रवींद्र मंच की हीरक जयंती समारोह के तहत ठाकुर रवींद्र नाथ टैगोर की स्मृति में रवींद्र कला संगम में, जिसमें प्रदेश व देश के 6 चित्रकारों की कलाकृतियां रवींद्र मंच की कलादीर्घा को शोभित कर रही है।

उद्घाटन जयपुर के वरिष्ठ कलाकारों द्वारा किया गया। व्याख्यान में कवि और कला समालोचक डॉ. राजेश कुमार व्यास ने कहा कि रवींद्र नाथ की समग्र कला जन-मन से जुड़ी सौंदर्य सृष्टि है। कवि, कला समीक्षक प्रयाग शुक्ल ने कहा, कि रवींद्र की चित्रकला मनुष्य को संबोधित है। उन्होंने टैगोर के चित्रों में व्याप्त अंधेरे और उजाले के संदर्भ दिए। इससे पहले रवींद्र मंच सोसायटी की प्रबंधक ने दोनों वक्ताओं व कलाकारों का स्वागत किया। प्रोग्राम में कला प्रेमियों ने उत्साह दिखाया।

साईं धाम का स्थापना दिवस | भक्तों ने पंगत में बैठक कर पाई प्रसादी

चांदी की पादुका का 101 किलो पंचामृत से अभिषेक

बेधड़क | जयपुर

साईं के रंग में जयपुराइट्स रंगे नजर आए। फिर सभी ने एक कतार में बैठकर प्रसादी ग्रहण की और जयकारों के साथ बापूनगर के मोती पार्क स्थित श्रीसाईं धाम के 18वें स्थापना दिवस को पूरा किया। सुबह कांकड़ आरती हुई। इसके बाद साईं बाबा की चांदी की पादुकाओं का 101 किलो पंचामृत से पादुकाओं का करीब दो घंटे तक अभिषेक किया गया। इसके बाद साईं बाबा का श्रृंगार किया गया, फिर आरती हुई। साथ ही भजन संध्या का आयोजन किया गया।

साढ़े 5 क्विंटल सामग्री की प्रसादी

आयोजन से जुड़ी श्वेता शर्मा ने बताया, कि भक्तों ने पंगत में बैठक कर प्रसादी पाई। करीब साढ़े 5 क्विंटन सामग्री से प्रसादी तैयार की गई। करीब 35 हजार से अधिक भक्त प्रसादी पाई। साईं पालकी महोत्सव में एक दिन पहले साईं बाबा की पालकी शोभा यात्रा निकाली गई। लवाजमे के साथ निकली पालकी यात्रा में सभी श्रद्धालु नाचते गाते जयकारे लगाकर निकले। महोत्सव में राम लला की झांकी भी खास रही।

दुनिया को सबसे ज्यादा नुकसान अच्छे लोगों की चुप्पी से होता है।

विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

बेल्जियम की राजधानी में ट्रैक्टर्स से सड़कें जाम

ब्रुसेल्स। *यूरोपीय देशों में इन दिनों किसान विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। बेल्जियम की राजधानी ब्रुसेल्स में किसान सड़कों पर उतरे और शहर की कई सड़कों को जाम कर दिया। प्रदर्शनकारी किसानों ने ट्रैक्टर्स से पूरे शहर में मार्च किया और इस दौरान सड़कों पर अंडे फेंके गए, जगह-जगह आगजनी हुई।*

4 घरों में आग, हादसे का लोगों ने बनाया वीडियो

फ्लोरिडा मोबाइल होम पार्क में प्लेन क्रैश, पायलट समेत 2 मरे

दमकल कर्मियों ने आग पर पाया काबू

एजेंसी | क्लियरवॉटर

फ्लोरिडा से बड़ी खबर है। क्लियरवॉटर के मोबाइल होम पार्क में सिंगल इंजन बीच क्राफ्ट बोनान्जा V35 विमान क्रैश हो गया। क्रैश होने के बाद विमान में आग लग गई। आग ने अपनी चपेट में चार घरों को ले लिया। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया।

इस हादसे में पायलट और एक अन्य स्थानीय नागरिक की मौत की पुष्टि की गई है। अग्निशमन प्रमुख स्कॉट एहलर्स ने बताया कि विमान बीचक्राफ्ट 35 बोनान्जा एक एकल इंजन वाला विमान था। विमान ने गुरुवार की शाम वेरो बीच क्षेत्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी। यह टाम्पा और सेंट पीटर्सबर्ग के पास एक शहर क्लियरवॉटर की ओर जा रहा था, जहां उसे क्लियरवॉटर एयरपार्क पर उतरना था। लेकिन 62 वर्षीय पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल रूम को इंजन फेल होने की सूचना दी। उसने मदद की गुहार लगाई।

इसके बाद विमान शाम करीब 7:15 बजे बेसाइड वाटर्स मोबाइल होम पार्क में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस पार्क को जापानी गार्डन भी कहा जाता है। विमान हादसे को कुछ लोगों ने अपने वीडियो में कैद कर लिया। फुटेज में मलबे से सफेद धुएं का घना बादल उठता और ट्रेलरों को आग की लपटों से घिरा हुआ दिखाया गया है। टक्कर इतनी जोरदार थी कि विमान एक ट्रेलर से टकरा गया।

पाकिस्तान: आम चुनाव से पहले हुए धमाकों से दहशत

बलूचिस्तान में धमाके

एजेंसी | क्वेटा

पाकिस्तान में आम चुनाव से पहले हुई हिंसा के कारण चिंता का माहौल है। चुनाव की तैयारियों में लगे अधिकारी बलूचिस्तान प्रांत में 10 बम धमाकों और ग्रेनेड हमलों के कारण तनाव में हैं। चुनाव से पहले हुई हिंसा के कारण हालात को सामान्य बनाने में अधिकारियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। राजधानी क्वेटा समेत पूरे बलूचिस्तान में 10 धमाके करने वाले असामाजिक तत्वों ने कई पुलिस स्टेशनों और उपायुक्त कार्यालयों को निशाना बनाया। इसमें एक पुलिस अधिकारी, जेल वार्डन सहित छह लोगों के घायल होने की सूचना है। धमाकों में एक शख्स की मौत होने की भी सूचना है। रिपोर्ट के मुताबिक प्रांतीय राजधानी क्वेटा समेत पूरे बलूचिस्तान प्रांत में कम से कम 10 बम और ग्रेनेड हमले हुए हैं।

IED का इस्तेमाल कर धमाका, एक की मौत

क्वेटा के सीनियर पुलिस अधीक्षक (एसएसपी ऑपरेशंस) जवाद तारिक ने बताया कि क्वेटा के स्पिनी इलाके में चीन-पाकिस्तान आर्थिक सहयोग सड़क पर धमाका हुआ। फुटपाथ पर रखा एक बम फटने की घटना में एक राहगीर की मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक, विस्फोट की तीव्रता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि प्रांतीय राजधानी के कई इलाकों में धमाकों की आवाज सुनी गई। 84 साल के जिस शख्स की मौत हुई है, उसका शव क्षत-विक्षत हालत में बरामद किया गया। इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (IED) का इस्तेमाल कर हुए धमाके में लगभग आठ किलो विस्फोटक का इस्तेमाल किए जाने की खबर है।

पुलिस थाने पर हमला, कई लोग घायल

एसएसपी जवाद तारिक ने बताया कि अज्ञात हमलावरों ने बलूचिस्तान के अलग-अलग जगहों पर धमाके किए। धमाकों की चपेट में आने से एक सहायक सब इंस्पेक्टर गुलाम रजा समेत कई लोग घायल हो गए। हमलावरों ने शालकोट पुलिस स्टेशन पर हथगोला फेंका। कैंपस में बम फटने के बाद थाने की इमारत और पार्किंग में खड़े कुछ वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। घायल पुलिस अधिकारी को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया।

निज्जर के सहयोगी के घर पर हमलावरों ने किए कई राउंड फायरिंग

कनाडा में एक और खालिस्तानी आतंकी पर हमला

एजेंसी | ओटावा

खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर के एक सहयोगी के आवास पर कई राउंड फायरिंग की गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि अज्ञात हमलावरों ने घर के साथ-साथ वहां पर खड़ी एक कार को गोलियों से छलनी कर दिया गया। घर सिमरनजीत सिंह का है। सिमरनजीत, हरदीप सिंह निज्जर का खास था। निज्जर की 18 जून, 2023 को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे शहर में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस की सरे टुकड़ी ने दक्षिण सरे में एक आवास पर गोलीबारी की घटना की पुष्टि की। बताया कि 1 फरवरी को लगभग 1:21 बजे उन्हें सिमरनजीत सिंह के आवास पर गोलीबारी की सूचना मिली। फ्रंटलाइन अधिकारियों ने घटनास्थल पर पहुंचकर गोलीबारी से जुड़े सबूत जुटाए हैं। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

अमेरिका में एक और भारतीय छात्र की मौत

न्यूयॉर्क। अमेरिका के ओहियो राज्य के सिनसिनाटी शहर में भारतीय मूल के छात्र श्रेयस रेड्डी बेनिगेरी मृत पाया गया। वह लिंडर स्कूल ऑफ बिजनेस का छात्र था। हालांकि अभी मौत के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है। मामले की जांच जारी है। एक हफ्ते में यह तीसरी और इस साल की चौथी घटना है। भारतीय दूतावास ने इस घटना पर दुख व्यक्त किया है।

MQ-9B ड्रोन की डील को अमेरिका ने दी मंजूरी

चीन के हर खतरे से निपट सकेगा भारत

एजेंसी | वॉशिंगटन

अमेरिका ने भारत को करीब 4 अरब डॉलर के 31 प्रीडेटर ड्रोन देने के समझौते को मंजूरी दे दी है। इस सौदे के तहत भारत को एम क्यू-9 बी सी गार्डियन ड्रोन के साथ किलर मिसाइलें और अन्य उपकरण मिलेंगे।

इससे पहले अमेरिकी संसद ने इस सौदे को अपनी मंजूरी दे दी थी। अमेरिका ने इस सौदे को मंजूरी देने के बाद अपने इरादे साफ कर दिए। अमेरिका ने कहा कि इस प्रस्तावित ड्रोन बिक्री से भारत चीन की ओर से आ रहे वर्तमान और भविष्य में आने वाले खतरों से निपटने की क्षमता में सुधार होगा। अमेरिका सरकार ने कहा कि इस किलर ड्रोन से भारत की मानवरहित निगरानी और जासूसी गश्त करना आसान हो जाएगा।

इससे पहले एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि अमेरिका की संसद ने खालिस्तानी आतंकी गुर पतवंत सिंह पन्नू की कथित रूप से हत्या की साजिश की जांच को लेकर भारत को यह ड्रोन देने पर रोक लगा दी है। इस रिपोर्ट के बाद हड़कंप मच गया।

पीएम मोदी 14 को करेंगे उद्घाटन

UAE में पहला हिंदू मंदिर बनकर तैयार

एजेंसी | अबू धाबी

यूएई की राजधानी अबू धाबी में पहले हिंदू मंदिर का उद्घाटन फरवरी में होगा। इसके उद्घाटन से पहले अधिकारियों ने कहा कि मंदिर का आधार सहिष्णुता और सद्भाव है। यह गुलाबी बलुआ पत्थर और सफेद संगमरमर से बना है, जिसे बनाने में 700 करोड़ रुपए से ज्यादा का खर्च आया है। 14 फरवरी को पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से एक समारोह में इसका उद्घाटन किया जाएगा। मंदिर का निर्माण BAPS स्वामीनारायण संस्था ने किया है। संस्था ने इसे यूएई और उसके नेताओं और लोगों के खुलेपन और समावेश का संकेत बताया।

BAPS के अंतरराष्ट्रीय संबंधों के प्रमुख स्वामी ब्रह्मबिहारीदास ने कहा कि सद्भाव और सहिष्णुता राष्ट्र की आत्मा है। उन्होंने मंदिर निर्माण की इजाजत के लिए यूएई के नेताओं का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि यह हिंदुओं के लिए पूजा स्थल है। यह शांति को बढ़ावा देगा और यह यूएई और भारत के बीच घनिष्ठ संबंधों का भी प्रतीक होगा।

11 हेक्टेयर क्षेत्र में बना मंदिर

मंदिर को यूएई में 5.4 हेक्टेयर भूमि पर बनाया गया है। बाद में इसमें सामुदायिक हॉल और पार्किंग क्षेत्रों को शामिल करने के लिए 11 हेक्टेयर तक बढ़ाया गया। भारत के कारीगरों ने बलुआ पत्थर और संगमरमर पर नक्काशी की, जिन्हें बाद में यूएई भेजा गया और फिर आपस में जोड़ा गया। प्राचीन मंदिरों के निर्माण को ध्यान में रखते हुए इसमें लोहे और स्टील का इस्तेमाल नहीं किया गया है।

राष्ट्रपति की उदारता को किया याद

यूएई के संस्थापक दिवंगत शेख जायद बिन सुल्तान अल नाहयान से लेकर राष्ट्रपति शेख मोहम्मद की ओर से स्थापित की गई स्वीकृति की भावना का उदाहरण देते हुए इसकी सराहना की। राष्ट्रपति ने क्राउन प्रिंस रहते हुए मंदिर के लिए जमीन दी थी। स्वामी ने कहा कि पीएम मोदी की मौजूदगी में हमने 2018 में उन्हें दो योजनाएं दिखाईं। एक पारंपरिक सामान्य इमारत जैसा था। वहीं दूसरा पत्थर का बना था। हमने उनसे पूछा कि आखिर कौन सा बनना चाहिए। इस पर वह मुस्कुरा कर बोले कि यदि आप एक मंदिर बना रहे हैं तो वह मंदिर की तरह दिखना चाहिए।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित। **संपादक:** विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl